page 1 and 8 July 2_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/2/2026 1:50 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जोनल गुलाबगढ़ वॉलीबॉल प्रतियोगिता, 12 टीमों ने दिखाया दमखम

5 एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत को मिली कप्तानी

8 डिविजनल कमिश्नर कश्मीर ने श्री अमरनाथजी यात्रा-2026 की तैयारियों का लिया जायजा

मौसम जम्मू — न्यूनतम 24, अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-163 | जम्मू तवी, वीरवार 02 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल द्वारा भगवती नगर यात्री निवास में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा

जम्मू, 01 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास का दौरा कर श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 से पहले श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

उपराज्यपाल ने यात्रा से संबंधित लॉजिस्टिक व्यवस्था, आवास, सुरक्षा प्रबंध, स्वास्थ्य सुविधाएं, सहायता केंद्र, स्वच्छता, बिजली एवं जलापूर्ति, आपातकालीन सेवाओं तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और परेशानी-मुक्त यात्रा का अनुभव मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए मानव संसाधन प्रबंधन को और बेहतर बनाया जाए। साथ ही भगवती नगर तथा तवी रिवर फ्रंट पर नियमित रूप से सार्वजनिक घोषणाएं की जाएं, ताकि यात्रियों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी के श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की और उन्हें सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा 3 जुलाई से दोनों मार्गों के आधार शिविरों से शुरू होगी और 28 अगस्त 2026 को संपन्न होगी। यात्रा के पहले जत्थे को 2 जुलाई को भगवती नगर यात्री निवास, जम्मू से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर डीजीपी नलिन प्रभात, विशेष डीजी (समन्वय) एस.जे.एम. गिलानी, जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, आईजीपी जम्मू भीम सेन टूटी, आईजीपी सीआरपीएफ जम्मू सेक्टर अमोल वी. होमकर, आईजीपी ट्रैफिक एम. सुलेमान चौधरी, उपायुक्त जम्मू डॉ. राकेश मिन्हास, नगर आयुक्त जम्मू डॉ. देवांश यादव सहित नागरिक प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जम्मू बेस कैंप पहुंची

जम्मू, 01 जुलाई । वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु तवी नदी तट पर पहुंच चुके हैं, जहां यात्रा के लिए मौके पर ही पंजीकरण हो रहा है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्था की है। अपनी बारी का इंतजार करते हुए श्रद्धालु उत्साह से भरे हुए हैं और पवित्र गुफा मंदिर की यात्रा के लिए तैयार हैं।

पहली बार तीर्थयात्रा कर रहे एक श्रद्धालु ने कहा कि हम पहली बार जा रहे हैं और बहुत खुश हैं। हमने यह यात्रा करने का पक्का इरादा कर लिया है। लंबी कतार में इंतजार करने के बाद हमारा एकमात्र लक्ष्य दर्शन करना है। अभी हमारी एकमात्र इच्छा बाबा के धाम पहुंचने की है।

भारत-मलेशिया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

- नई दिल्ली में 12वीं उप-समिति बैठक के दौरान द्विपक्षीय सैन्य सहयोग की समीक्षा

नई दिल्ली, 01 जुलाई । भारत व मलेशिया के बीच सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को नई दिल्ली में बैठक हुई। भारत-मलेशिया उप-समिति (एससीएमसी) की 12वीं बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सैन्य सहयोग के सभी पहलुओं की व्यापक समीक्षा की और अब तक हुई निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों पक्षों ने नियमित द्विपक्षीय गतिविधियों के सफल संचालन की सराहना करते हुए सैन्य सहयोग को और व्यापक एवं सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की।

रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद और मलेशियाई सशस्त्र बलों के रक्षा संचालन एवं प्रशिक्षण के सहायक चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल आमेर महमूद बिन अब्दुल रहमान की सह-अध्यक्षता में हुई बैठक में सेनाओं के बीच आपसी आदान-प्रदान, संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, कार्मिक स्तर की वार्ताएं, क्षमता निर्माण, समुद्री सहयोग व उभरते रक्षा क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस दिशा में आपसी आदान-प्रदान, पेशेवर स्तर की वार्ताओं और एक-दूसरे के सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।

प्रतिनिधिमंडलों ने रक्षा उद्योग, रक्षा प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम प्लस) के ढांचे के तहत एक-दूसरे की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और आतंकवाद-रोधी विशेषज्ञ कार्य समूह के अंतर्गत व्यावहारिक सहयोग को पहले से मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रतिनिधिमंडलों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य से जुड़े विभिन्न घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

बैठक में भारत-मलेशिया बेहतर रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने आपसी विश्वास, साझा हितों तथा सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के साझा दृष्टिकोण के आधार पर द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में भरोसा जताया गया कि इसके नतीजे आने वाली भारत-मलेशिया रक्षा सहयोग बैठक में सार्थक बातचीत के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेंगे।

बैठक के दौरान मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के डीपीएसयू भवन का भी दौरा किया। इससे पहले मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर भारत के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

खबर संक्षेप

जम्मू डिवीज़न के विंटर ज़ोन स्कूलों के लिए 6 से 19 जुलाई तक गर्मी की छुट्टियों की घोषणा

जम्मू, 1 जुलाई । स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू (डीएसईजे) ने बुधवार को एक आधिकारिक आदेश जारी कर जम्मू डिवीजन के विंटर ज़ोन में आने वाले हायर सेकेंडरी लेवल तक के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के लिए गर्मी की छुट्टियों की घोषणा की। स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू द्वारा 1 जुलाई 2026 को जारी आदेश संख्या 226-डीएसईजे के अनुसार विंटर ज़ोन के सभी स्कूलों में 6 जुलाई 2026 से 19 जुलाई 2026 तक गर्मी की छुट्टियां रहेंगी। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय मौजूदा गर्मी के हालात को देखते हुए सक्षम अधिकारी की मंजूरी से लिया गया है। बताई गई अवधि के दौरान आदेश के दायरे में आने वाले सभी शिक्षण संस्थान शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बंद रहेंगे।

निदेशालय ने जानकारी और ज़रूरी कार्रवाई के लिए यह आदेश कमिश्नर/सेक्रेटरी, स्कूल शिक्षा विभाग, डिविजनल कमिश्नर जम्मू, डिप्टी कमिश्नरों, मुख्य शिक्षा अधिकारियों, संयुक्त निदेशकों, एससीईआरटी जम्मू और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी किसी भी अन्य निर्देश के अधीन, गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद 20 जुलाई, 2026 (सोमवार) को स्कूलों के फिर से खुलने की उम्मीद है।

भारी मानसूनी बारिश के कारण किश्तवाड़ में मचैल माता और मिंधल माता यात्राएं स्थगित

जम्मू, 1 जुलाई। भारी मानसूनी बारिश के कारण उत्पन्न प्रतिकूल मौसम को देखते हुए जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार को माछैल माता और मिंधल माता यात्राओं को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार लगातार हो रही वर्षा, फिसलन भरी सड़कों और पहाड़ियों से पत्थर गिरने के खतरे को देखते हुए दोनों यात्राओं पर रोक लगाई गई है।

प्रशासन ने कहा कि किश्तवाड़ जिले में प्रतिकूल मौसम की स्थिति बनी हुई है। लगातार बारिश, सड़कों पर फिसलन और पत्थर गिरने की आशंका के कारण बुधवार को माछैल माता यात्रा और मिंधल माता यात्रा स्थगित रहेंगी।

श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अगली एडवाइजरी जारी होने तक यात्रा पर न निकलें और अपने घरों अथवा सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

गौरतलब है कि रमणीय पद्दर घाटी स्थित 9,705 फुट की ऊंचाई पर स्थित माछैल माता मंदिर के कपाट 14 अप्रैल को शीतकालीन अवकाश के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे। इस वर्ष अब तक लगभग 90 हजार श्रद्धालु मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। वहीं, वार्षिक मिंधल माता यात्रा 1 जून को बालासू गांव से पवित्र छड़ी के हिमाचल प्रदेश के पांगी स्थित मिंधल दरबार के लिए रवाना होने के साथ शुरू हुई थी।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 14 अगस्त को माछैल माता मंदिर के प्रवेश द्वार माने जाने वाले चिसोटी गांव में भीषण बादल फटने की घटना हुई थी। इस हादसे में अधिकांश श्रद्धालुओं सहित 63 लोगों की मौत हो गई थी, कई लोग घायल हुए थे तथा लगभग 30 लोग लापता हो गए थे।

भलेसा में दो बादल फटने से अचानक आई बाढ़, सड़कें अवरुद्ध

डोडा, 1 जुलाई । बुधवार को डोडा ज़िले के भलेसा इलाके के कलालगिसार में भारी बारिश के कारण दो बार बादल फटे जिससे अचानक बाढ़ आ गई और मलबे के बहाव से कई सड़कें बंद हो गईं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रशासन स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है क्योंकि इलाके में लगातार भारी बारिश हो रही है जिससे भूस्खलन और सड़कों के बाधित होने की आशंका बढ़ गई है।

अचानक आई बाढ़ अपने साथ भारी मात्रा में मलबा ले आई जिससे भलेसा इलाके के कई गांवों का संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने कहा कि मौसम ठीक होने पर बहाली का काम शुरू किया जाएगा। इस बीच प्रशासन ने निवासियों को सलाह दी है कि वे जोखिम वाले इलाकों में अनावश्यक यात्रा से बचें और सड़क संपर्क बहाल होने तक आधिकारिक सलाह का सख्ती से पालन करें।

आतंकियों की धरपकड़ के लिए राजौरी में ऑपरेशन शेरुवाली 40वें दिन भी जारी

राजौरी, 01 जुलाई । ऑपरेशन शेरुवाली बुधवार को अपने 40वें दिन में प्रवेश कर गया। सुरक्षा बल जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले के मांजकोट सेक्टर के गंभीर मुगलन क्षेत्र के डोरिमल के वन क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं। इस अभियान का उद्देश्य उन आतंकवादियों का पता लगाना है, जिनके क्षेत्र में छिपे होने की आशंका है।

ऑपरेशन शेरुवाली जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले के डोरिमल-गंभीर मुगलन सेक्टर के घने वन क्षेत्रों में चल रहा एक व्यापक आतंकवाद विरोधी अभियान है। मई के अंत में शुरू किए गए इस बहु-एजेंसी अभियान का उद्देश्य क्षेत्र के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों में छिपे सशस्त्र घुसपैठियों का पता लगाना और उन्हें निष्क्रिय करना है। अभियान जारी है और इसमें शामिल सभी बल क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा है कि सुरक्षाबल आतंकवाद विरोधी अभियान में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं और वन क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। उन्नत उपकरणों और समन्वित जमीनी अभियानों के सहयोग से निर्धारित क्षेत्रों में तलाशी और निगरानी अभियान जारी हैं। अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक इसके सभी लक्ष्य पूरी तरह से प्राप्त नहीं हो जाते। यह लंबा अभियान राजौरी के सीमावर्ती जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा और यात्री सुविधाएं हुईं मजबूत

जम्मू, 1 जुलाई। आगामी श्री अमरनाथजी यात्रा को देखते हुए जम्मू रेलवे मंडल ने जम्मू रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथजी यात्रा 3 जुलाई से एक साथ अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग तथा गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से शुरू होगी। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास से रवाना होगा। जम्मू रेलवे मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि श्री अमरनाथजी यात्रा जम्मू-कश्मीर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

उन्होंने बताया कि रेलवे ने विशेष रूप से तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है।

पहला, सुरक्षा व्यवस्था। टिकट जांच कर्मी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं, ताकि स्टेशन पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित किया गया है, जिससे उनकी यात्रा सुरक्षित और सुगम बनी रहे।

जम्मू-कश्मीर में दिगडोल से पंथयाल के बीच 3.5 किमी लंबा सुरंग मार्ग तैयार

नई दिल्ली, 01 जुलाई । जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर रामबन जिले के रामसू के पास 810 मीटर लंबा वायाडक्ट और दिगडोल से पंथयाल को जोड़ने वाला 3.5 किलोमीटर लंबा एटी-03 सुरंग मार्ग तैयार हो गया है। 680 करोड़ रुपये की लागत से बने ये दोनों प्रोजेक्ट रामबन-बनिहाल खंड के सबसे भूस्खलन-बाहुल्य हिस्से को बाईपास करेंगे और कश्मीर घाटी तक हर मौसम में सुरक्षित व तेज संपर्क सुनिश्चित करेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर जानकारी दी कि इन परियोजनाओं से यात्रा समय घटेगा, सड़क सुरक्षा बढ़ेगी और पर्यटकों, स्थानीय यात्रियों, रक्षा वाहनों, मालवाहक ट्रकों तथा आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही पूरे साल सुगम हो सकेगी। उन्होंने इसे इंजीनियरिंग की बड़ी उपलब्धि बताया।

जम्मू मंडल में जून 2026 में टिकट चेकिंग अभियान- 12,314 मामलों में 75.43 लाख से अधिक का राजस्व अर्जित

जम्मू 01 जूलाई। जम्मू मंडल द्वारा बिना टिकट/अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने एवं रेल राजस्व में वृद्धि हेतु, जून 2026 माह में सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। यह अभियान प्रत्येक माह वरिष्ठ मंडल वाणिय प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल के नेतृत्व में नई योजनाओं के साथ चलाएं जाते हैं। परिणामस्वरूप दिनांक 01 जून से 30 जून की अवधि में जम्मू मंडल के चेकिंग स्टाफ द्वारा चलाए गए, अभियान में कुल 12,314 मामले पकड़े गए, जिनसे लगभग 75.43 लाख से अधिक का राजस्व बतौर जुर्माना वसूल किया गया। यह राजस्व बिना टिकट यात्रियों, अनियमित टिकट, बिना बुक किए सामान तथा अन्य रेल अधिनियम के उल्लंघनों से वसूले गए जुर्माने के रूप में प्राप्त हुआ है।

वरिष्ठ मंडल वाणिय प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने बताया कि द्वफ्टिकट चेकिंग का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि यात्रियों को वैद्य टिकट के साथ यात्रा करने के लिए प्रेरित करना है। बिना टिकट यात्रा रेल राजस्व की हानि के साथ-साथ अन्य यात्रियों की सुविधा में भी बाधा डालती है। जम्मू मंडल का चेकिंग स्टाफ दिन-रात ट्रेनों एवं स्टेशनों पर तैनात रहकर यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी यात्री वैध टिकट के साथ सम्मानजनक यात्रा करें।

पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का दोहरा विस्तार वातानुकूलित प्रतीक्षालय एवं जन आहार आउटलेट का शुभारंभ

जम्मू, 01 जूलाई। जम्मू मंडल द्वारा यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण पहल की गईं। एक ओर जहां प्रतीक्षालय को नए उच क्षमता वाले वातानुकूलित (एसी) उपकरणों से सुसजित किया गया, वहीं दूसरी ओर यात्रियों को किफायती एवं स्वछ भोजन उपलब्ध कराने हेतु जन आहार आउटलेट का भी शुभारंभ किया गया।

गर्मी के मौसम मे यात्रियों को आरामदायक और शीतल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतीक्षालय में नए एसी स्थापित किए गए हैं। इससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं बचों के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रेन की प्रतीक्षा के दौरान विशेष राहत मिलेगी।

व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की आधारशिला है शिक्षा: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने सहारनपुर से किया राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ
- मुख्यमंत्री ने की अपील, बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें, स्कूल चलो अभियान को जनांदोलन का हिस्सा बनाएं
- शिक्षकों से बोले सीएम- अगले 15 दिन खूब मेहनत कीजिए ताकि कोई बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रह जाए

सहारनपुर, 1 जुलाई: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय इस्माइलपुर (कंपोजिट) से राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण (1 से 15 जुलाई) का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। शिक्षा व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की सुदृढ़ आधारशिला है। अच्छी शिक्षा ही सभ्य, संस्कारित नागरिक बनाती है और सही मार्ग दिखाती है। अच्छी शिक्षा से ही अच्छे समाजसेवी, शिक्षक, प्रधानाचार्य, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, उद्यमी, इंजीनियर, चिकित्सक, न्यायिक अधिकारी आदि निकलेंगे। देश के भविष्य को बनाने वाली भावी पीढ़ी जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़े, शिक्षा के कारण वह आत्मविश्वास से भरपूर होकर समाज व राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका का प्रभावी निर्वहन कर सकेगी।

सीएम ने कहा कि 2017 में पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने स्कूल चलो अभियान प्रारंभ किया। सरकार की नीयत साफ थी तो परिणाम भी अच्छे आए। शिक्षा के उन्नयन के लिए सरकार की नीति स्पष्ट थी। सरकार बिना भेदभाव हर बच्चे तक योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ बढ़ी थी। 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद में केवल 36 फीसदी विद्यालय ही पूरी तरह संतृप्त माने जा रहे थे। उस समय टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर, लाइब्रेरी, लाइट, मिड डे मील आदि की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब ऑपरेशन कायाकल्प चलाकर मैंने जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों, अधिकारियों से अपील की कि बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में व्यापक रूप से सुविधाएं उपलब्ध कराकर संतृप्तिकरण के लक्ष्य को पूरा किया जाए और उसके पैरामीटर तय किए जाएं। सीएम ने कहा कि हमने तय किया कि हर स्कूल में बालक/बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, पेयजल और मिड डे मील में प्रतिदिन का भोजन तय हो। स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, सरकार की ओर से हर बच्चे को यूनिफॉर्म, बैग, किताबें आदि देकर सभी सुविधाओं से आच्छादित किया जाए। विद्यार्थियों व शिक्षकों के अनुपात को ठीक किया जाए। इसके लिए अभियान प्रारंभ किया गया। इसका असर हुआ कि बेसिक शिक्षा विद्यालयों का 36 फीसदी का संतृप्तिकरण बढ़कर अगले पांच वर्ष में 96 फीसदी से अधिक हो गया।

भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा लखनपुर, अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे का भव्य स्वागत

कठुआ, 01 जुलाई । श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के शुभारंभ के साथ ही जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में बुधवार को पहले जत्थे के यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। बम बम भोले और जय बाबा बर्फानी के गगनभेदी जयकारों के बीच पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

जिला प्रशासन कठुआ द्वारा यात्रियों के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। इस अवसर पर उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा, एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा, एडीसी महिमा मदान सहित सिविल व पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्रियों का फूल-मालाएं पहनाकर विधिवत स्वागत किया। लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र को पूरी तरह से सक्रिय कर दिया गया है जहां यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। यहां 6 आरएफआईडी काउंटर और 12 ई-केवाईसी काउंटर स्थापित किए गए हैं जिनके माध्यम से पंजीकृत यात्रियों का सत्यापन और आरएफआईडी कार्ड जारी किए जा रहे हैं।

सभी व्यवस्थाओं की निगरानी प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यात्रियों के स्वागत के लिए जिला सूचना केंद्र कठुआ द्वारा एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें स्थानीय कलाकारों ने शिव तांडव स्तोत्र और भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

..सेल्फी एक नया शौक

मौजूदा दौर का बड़ा फोटोग्राफिक ट्रेंड बन चुका है सेल्फी। बॉलीवुड सितारों से लेकर टीनएजर्स तक फेसबुक-ट्विटर में सेल्फी अपलोड करते नजर आते हैं। यह नया शौक कई बार सनक में बदलता नजर आता है। कुछ माह पहले सेल्फी की सनक से जुड़ी एक खबर ने सबका ध्यान खींचा था। परफेक्ट सेल्फी की लत के कारण एक ब्रिटिश टीन ने आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लिया था। हालांकि उसे बचा लिया गया, मगर उसके इस कदम ने कई सवाल खड़े कर दिए।

परिपक्वता की कमी

फोटो या पोस्ट पर आने वाले अच्छे-बुरे कमेंट्स के लिए जिस तरह बड़े तैयार रहते हैं, उस तरह बच्चे तैयार नहीं हो पाते। अगर एक भी डिस्लाइक या खराब कमेंट मिल जाए तो यह उनके लिए पीड़ा का सबब बन जाता है। 11वीं के स्टूडेंट 17 वर्षीय सुशांत को कुछ ऐसी ही वजहों से अपना फेसबुक एकाउंट बंद करना पड़ा। इसका कारण था दोस्तों के भद्दे कमेंट्स। वह कहते हैं, मैंने कई बार ड्रॉइंग्स, फोटोज, पोएट्री भी पोस्ट कीं। जब तक दोस्त तारीफ करते थे, अच्छा लगता था, लेकिन अचानक एक दिन भद्दे कमेंट्स आने शुरू हो गए। मैं डिस्टर्ब हो गया। एक दिन मैंने मॉम को यह प्रॉब्लम बताई। इसके बाद उन्होंने मेरा एकाउंट ही बंद करवा दिया। मां ने मेरी समस्या तो हल कर दी, लेकिन मेरी जैसी समस्या बहुत से बच्चे झेलते हैं।

मेडिकल की छात्रा अपूर्वा कहती हैं, बच्चे अपने कमेंट्स में आक्रामक भी हो जाते हैं। कई बार सिर्फ मजा लेने या परेशान करने के लिए वे कमेंट्स करने लगते हैं। तुम्हारी नाक मोटी है, तुम्हारी हेयरस्टाइल ठीक नहीं है, अपने दांत तो देखो.. जैसे कमेंट्स के अलावा कई बार ऐसे कमेंट्स भी आ जाते हैं, जो अपमानित कर सकते हैं। बड़े लोग इसे हैंडल कर लेते हैं, मगर कुछ बच्चे जो बहुत संवेदनशील होते हैं वे इसे हैंडल नहीं कर पाते।

टेक्नोलॉजी एडिक्शन

दिल्ली के एक स्कूल की अध्यापिका अर्चना बताती हैं, पिछले तीन-चार वर्षों में बच्चों में टेक्नोलॉजी एडिक्शन बहुत बढ़ा है। स्कूल में कई बार चेकिंग में बच्चों के बस्तों में फोन मिलते हैं। बच्चों को समझने के लिहाज से मैं स्वयं उनसे फेसबुक पर जुड़ी रहती हूं, लेकिन मुझे हैरत होती है, जब कई बच्चे मुझे रात के 11-12 बजे तक सोशल साइट्स में बिजी दिखते हैं। कई बार मैं चैटिंग के जरिये उन्हें अगले दिन के असाइनमेंट के बारे में बताती हूं। जब उन्हें लगता है कि मैम उन्हें लगातार चेक कर रही हैं तो वे ऑफ लाइन हो जाते हैं। एक टीचर होने के नाते उन्हें अच्छा-बुरा बताने की मेरी एक सीमा है, इसके बाद तो पैरेंट्स की ही जिम्मेदारी है कि वे देखें कि बच्चे देर रात तक क्या करते हैं।

खतरनाक है यह लत

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट गगनदीप कौर कहती हैं, फेसबुक पर कुछ अपलोड करते ही टिप्पणियों का इंतजार होने लगता है। तुरंत कमेंट्स न मिलें तो बेचैनी होती है, बुरे कमेंट्स मिल जाएं तो बच्चा हर्ट होता है। इंटरनेट एडिक्शन पर वर्कशॉप के दौरान हमें कई अनुभव हुए। फेसबुक के जरिये प्रपोज करने का ट्रेंड चल निकला है। किसी ने मैसेज किया- मुझसे दोस्ती करोगे ? जवाब में संदेश मिला- जाकर अपना मुंह शीशे में देख लो..। यह जवाब निजी तौर पर आहत करता है। साथ ही सोशल रिजेक्शन भी महसूस होता है। कमेंट को सब पढ़ लेंगे, यह बात बच्चों को ज्यादा परेशान करती है। हर साइट के इस्तेमाल की कुछ गाइडलाइंस होती हैं, लेकिन इन्हें पढ़ा नहीं जाता। पैरेंट्स भी बच्चों के हाथ में सारे डिवाइस थमा देते हैं, बस यह कहते हुए कि मिसयूज न हो। यह मिसयूज है क्या, यह बच्चों को नहीं बताया जाता। इससे परेशानियां बढ़ती जाती हैं।

संबंध भी होते हैं प्रभावित

यूके में हुआ एक अध्ययन बताता है कि फेसबुक में सेल्फीज की ओवर शेयरिंग रिश्तों के लिए अच्छी नहीं होती। दिनभर सेल्फी अपलोड करना वास्तविक रिश्तों की सेहत पर भारी पड़ता है। स्कॉटलैंड की एक यूनिवर्सिटी में पिछले वर्ष हुए इस अध्ययन में बताया गया कि जब कोई सोशल साइट्स पर कुछ पोस्ट करता है तो इसे दोस्तों-जानकारों के साथ ही अन्य लोग भी देखते हैं। हर किसी पर फोटो या पोस्ट का अलग-अलग असर होता है। यह अध्ययन फोटोग्राफ्स अपलोड करने की आदत पर किया गया था। अध्ययन में सेल्फ फोटो, फ्रेंड्स, इवेंट्स, फैमिली, नेचर फोटोज, कलीग्स, जानवरों.. की तस्वीरों पर आई टिप्पणियों का आकलन करके देखा गया कि इनका अलग-अलग लोगों पर क्या असर पड़ा। इनमें पार्टनर, रिश्तेदार, दोस्त, कलीग्स और अन्य फेसबुक फ्रेंड्स थे। नतीजे में कहा गया कि सेल्फ फोटोज ज्यादा लगाने से वास्तविक रिश्तों की इंटीमेसी कम होती है। रिपोर्ट में कहा गया लोगों के लिए सोशल साइट्स एक तरह से फन टाइम है, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि सोशल साइट्स पर क्या शेयर कर रहे हैं और इसका असर क्या पड़ सकता है। इसलिए कोई पोस्ट करने से पहले कम से कम दो बार सोचें।

सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर होने वाले कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि ऑनलाइन फोटोज की ओवरशेयरिंग से रिश्तों में दरार पड़ सकती है। आजकल तो सोशल साइट्स राजनेताओं की आपसी खींचतान के अलावा पति-पत्नी के झगड़ों का भी कुरुक्षेत्र बनती जा रही हैं।

लत न बन जाए डिसॉर्डर

ब्रिटिश टीनएजर को बचा लिया गया, मगर गहरे अवसाद ने उससे जिंदगी के जो पल छीने, वे कभी वापस नहीं मिलेंगे। उसने बताया कि वह दिन भर में 200 सेल्फी लेता था और अच्छी न लगने के कारण डिस्कार्ड कर देता था। बाद में उसने कहा, मेरे लिए दोस्तों और अन्य लोगों का एप्रूवल मिशन बन गया। यह ड्रग या एल्कोहॉल जैसी समस्या थी मेरे लिए। मैं नहीं चाहता कि मेरी जैसी स्थिति से कोई और गुजरे। उसका इलाज करने वाले मनोविश्लेषक ने एक इंटरव्यू में कहा, यह केस बताता है कि टेक्नोलॉजी एवं सामाजिक ट्रेंड्स मिलकर किस तरह एक व्यक्ति को अवसाद में डाल सकते हैं।

कुड़ियों को भाए घड़ियाँ...

फैशन में आई नई घड़ियाँ आजकल की कुड़ियों की नाजुक कलाइयों पर अब सिर्फ चुड़ियाँ और कंगन ही नहीं सजते बल्कि सजतीं हैं स्मार्ट, ट्रेंडी और स्पोर्टी मल्टीकलर्ड घड़ियाँ। फैशन की दौड़ में खूबसूरत बालाएँ अपनी पर्सनेलिटी में घड़ियों से भी चार चाँद लगा रहीं हैं।

मल्टीकलर्ड घड़ियों का जमाना इस बार फैशन में युवतियों को लुभाने के लिए मल्टीकलर्ड घड़ियाँ चलन में आई हैं। इन घड़ियों में लाल, हरे, पीले, नीले, काले कई रंगों के डायलकेस मौजूद रहते हैं, जिन्हें आप किसी भी रंग के परिधान के साथ मैच कर पहन सकते हैं।

कड़ेनुमा घड़ियाँ भी चलन में सिल्वर व मेटल के बेस पर विभिन्न डिजाइनों से सजी कड़ेनुमा घड़ियाँ युवतियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। इन घड़ियों को आप साड़ी, सलवार कुर्ता व जींस के साथ पहन सकती हैं। इन घड़ियों का मुख्य आकर्षण है डायलकेस के अंदर झिलमिलाते जर्किन के नग, जो कि युवतियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

घड़ी नौकरीपेशा युवतियों की जरूरत चौड़े बेल्ट की बड़े डायल वाली घड़ी आजकल नौकरीपेशा युवतियों की पसंद बनी हुई है। वहीं कॉलेज गोइंग युवतियों को स्पोर्टी व ट्रेंडी लुक वाली घड़ियाँ पहने आसानी से देखा जा सकता है। मोटी लड़कियों की कलाई में बड़े डायल वाली घड़ी व पतली-दुबली लड़कियों की कलाई में स्पोर्टी घड़ियाँ खूब जँचती हैं।

फैशन ने बदले रंग...

इन दिनों हम जहाँ भी नजर दौड़ाएँ रंगों का कुंभ-सा दिखाई देता है। पहले रंगों का यूज सिर्फ कपड़ों तक ही सीमित था, उनमें भी मौसम के अनुसार कुछ गिने-चुने रंग... लेकिन इन दिनों हर चीज पर रंगों का प्रभाव नजर आ रहा है।

कुछ साल पहले तक कारों के मामले में हमें प्रयोग पसंद नहीं आते थे, सफेद, काला और कोई इस मामले में बहुत बहादुर हो तो लाल... लेकिन अब नीला-पीला-हरा जो चाहें उस रंग की कार मिल जाएगी। इसी तरह मोबाइल फोन, लैपटॉप, आई-पॉड हो या फिर कॉस्मेटिक हो, हर कहीं तमाम तरह के रंग दिखने लगे हैं।

यह तो तयशुदा सच है कि रंगों का मानवीय भावनाओं पर जादुई असर होता है। माना जाता है कि रंग इंसान के ब्रेन को बूस्ट करते हैं। शायद यही वजह है कि इन दिनों रंगों की बहार आई हुई नजर आ रही है। विंटर में हमारे डिजायनर कलेक्शन में पहले काले और भूरे रंग बेशुमार होते थे, अब सारे ट्रेडिशनल कलर नजर आने लगे हैं।

यहाँ तक कि किताबों के कवर तक खूब रंग-बिरंगे होने लगे हैं। गजैट्स जैसे मोबाइल फोन, आई-पॉड और लैपटॉप तक चटकीले रंगों में नजर आने लगे हैं। इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं, लेकिन बदलाव की ख्वाहिश लगातार बनी हुई है।

देश के बड़े डिजायनर अब यह कहने लगे हैं कि रंग हमारे तनावग्रस्त जीवन को राहत पहुँचाते हैं और हमें खुश रखते हैं। अब जबकि दुनिया का मौसम बदल रहा है तो फिर हम क्यों नहीं बदलें? भारत में गर्मियाँ इससे पहले कभी इतनी गर्म नहीं थीं और अमेरिका में इस साल से पहले सर्दी में कभी इतनी ठंड नहीं पड़ी, पिछले दशक में हमारी जीवन शैली जिस नाटकीय ढंग से बदली है, तो हमारे लिए यह बदलाव भी जरूरी है।

अब हो तो यह भी रहा है कि काला रंग सर्दियों से ज्यादा गर्मियों में बिक रहा है। डिजायनर अरुण आहूजा कहते हैं कि - रंग हर जगह चीज को प्रभावित कर रहे हैं, चाहे वे कपड़े हों, मोबाइल फोन, लैपटॉप हों या फिर कारें...। शरद के अपने रंग हैं, आप इसमें वसंत के कुछ रंग जोड़कर कुछ नया कर सकते हैं।

किसी बुक स्टोर के आसपास टहलते हुए देखें कि प्रकाशक आपको आकर्षित करने के लिए कितने जतन करते हैं, और इसमें किताबों के रंग-बिरंगे कवर सबसे ऊपर हैं। प्रकाशक रोशन राजानी कहते हैं कि - कवर हमारी प्राथमिकता पर है। परिवर्तन को होने से हम रोक नहीं सकते हैं, तो हमें किताबों के कवर पर प्रयोग करते रहना होगा। अच्छे रंगों का प्रयोग और रचनात्मक डिजाइन निश्चित तौर पर पाठकों का ध्यान आकर्षित करती है। यह पूरी तरह से एक मार्केटिंग स्ट्रेटेजी है।

लोग चटख रंगों की तरफ आकर्षित होते हैं तो हम इसका रास्ता चमकीले जैकेट में पाते हैं। यहाँ तक की गंभीर विषय की कि ताबों का कवर भी चटख रंग लिए होता है। इतना ही नहीं इन दिनों टीनेजर्स के लिए मेकअप तक रंगो से सरोबार होता है बालों के रंग से लेकर नेलपेंट और लिप्स्टिक के रंगों में खूब प्रयोग हो रहे हैं। गजैट्स के रंग तो ताज्जुब में डाल देते हैं।

झुमका बरेली

कानों में रुनझुन करती बालियाँ हों या फिर लहराते झुमके। हर किसी युवती की चाहत होती है कि उसके ज्वेलरी बॉक्स में भी सुंदर से सुंदर झुमके हों। जिससे वह इन्हें अपनी ड्रेस के कलर के मैच के हिसाब से पहनकर लोगों की तारीफें पा सके। इस समय बाजार में आपके लिए कंधे तक लहराते मेटल लुक झुमके व मोतियों व कुंदन से सजे इयररिंग्स खास हैं। जिन्हें आप बहुत ही किफायती दामों में खरीदकर पहन सकती हैं।

मेटल लुक

इन दिनों युवतियों में लंबे-लंबे मेटल लुक इयररिंग्स पहनने का क्रेज बना हुआ है। जो कि पत्ती व गोल स्टाइल में चल रहे हैं। इसके साथ ही जरकिन के नग भी इन इयररिंग्स पर लगकर आ रहे हैं, जो कि उन्हें खूबसूरती प्रदान करते हैं। इन इयररिंग्स की कीमत बाजार में 30 से 500 रुपए तक है। इन मेटल इयररिंग को महिलाएँ भी काफी पसंद कर रही हैं।

मैचिंग का क्या कहना

यदि आप किसी शादी या पार्टी में जाना चाहती हैं। तो आपके लिए रंग-बिरंगे कुंदनों व मोतियों से सजे झुमके बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। जिन्हें आप अपने परिधानों के हिसाब से मैच कर पहन सकती हैं। रंग-बिरंगे मोतियों से सजे ये इयररिंग्स आपके लुक में चार चाँद लगा सकते हैं। इन्हें पहनकर आप जहाँ भी जाएँगी तो बस कहने वाले यही कहते रह जाएँगे, बहुत जँच रही हो।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जोनल गुलाबगढ़ वॉलीबॉल प्रतियोगिता, 12 टीमों ने दिखाया दमखम

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने रियासी जिले के अरीताल क्षेत्र में जोनल गुलाबगढ़ वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य स्थानीय युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना, सेना और नागरिकों के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करना तथा युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना था। प्रतियोगिता में रियासी जिले के विभिन्न क्षेत्रों की कुल 12 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन, टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक जज्बे का प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने भी बड़ी संख्या में प्रतियोगिता का आनंद लिया। कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सामुदायिक संपर्क, सार्वजनिक घोषणाओं और सोशल मीडिया का भी उपयोग किया गया।

टूर्नामेंट के समापन पर विजेता टीम को चैंपियंस ट्रॉफी, उपहार और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जबकि उपविजेता टीम को भी उपहार और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय सेना ने प्रतियोगिता के दौरान सभी खिलाड़ियों और प्रतिभागियों के लिए भोजन और जलपान की भी व्यवस्था की। इस अवसर पर सेना के अधिकारियों और जवानों ने स्थानीय युवाओं से संवाद कर उन्हें खेलों में आगे बढ़ने, समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने और भारतीय सेना में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

सिंचाई नहर डी-9ए में जलापूर्ति बहाल करने की मांग, किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी जम्मू से की मुलाकात

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। पूर्व जिला विकास परिषद (डीडीसी) सदस्य सुचेतगढ़ एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता तरनजीत सिंह टोनी के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उपायुक्त जम्मू डॉ. राकेश मिन्हास से मुलाकात कर खंडवाल क्षेत्र में नहर संख्या डी-9ए के माध्यम से सिंचाई जलापूर्ति बाधित होने का मुद्दा उठाया। किसानों ने बताया कि धान की बुवाई के महत्वपूर्ण समय में पानी की कमी से खेती प्रभावित हो रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को अवगत कराया कि नहर में पर्याप्त जल प्रवाह नहीं होने, भारी मात्रा में गाद जमा होने तथा नहर की भूमि पर कथित अतिक्रमण के कारण किसानों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से नहर की तत्काल सफाई कर जलापूर्ति बहाल करने और निर्बाध सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि नहर डी-9ए के माध्यम से जलापूर्ति बहाल करने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि नहर की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम दक्षिण मनु हंसा से भी मुलाकात की। बैठक में संबंधित तहसीलदार भी मौजूद रहे। एसडीएम ने जानकारी दी कि वह संबंधित तहसीलदार और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ अगले दिन सुबह 11 बजे प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे ताकि मौके पर स्थिति का आकलन कर जलापूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। एसडीएम ने किसानों को भरोसा दिलाया कि सिंचाई व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नहर की भूमि पर अवैध कब्जे या अतिक्रमण के मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और सिंचाई ढांचे को अतिक्रमण मुक्त रखा जाएगा।

सेना ने युवाओं को करियर काउंसलिंग कार्यक्रम में दिए भविष्य संवारने के गुर

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने युवाओं को बेहतर करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रामबन जिले के गूल स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल तथा रियासी जिले के सालधार में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किए।

ये कार्यक्रम क्षेत्र के युवाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करने की भारतीय सेना की पहल का हिस्सा थे। हायर सेकेंडरी स्कूल गूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा संस्थानों, प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा भारतीय रक्षा सेवाओं में भर्ती के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

सेना के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके सवालों के जवाब दिए और उन्हें स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन बनाए रखने तथा कठिन परिश्रम के माध्यम से सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

रियासी के सालधार में आयोजित युवा करियर काउंसलिंग सत्र में स्थानीय विद्यार्थियों और युवाओं को भारतीय सेना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), विभिन्न सरकारी सेवाओं और उच्च शिक्षा संस्थानों में उपलब्ध करियर संभावनाओं से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों को पात्रता मानदंड, भर्ती प्रक्रिया, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, शारीरिक फिटनेस तथा नेतृत्व क्षमता और समर्पण के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। दोनों कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय ग्रामीण प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को सही मार्गदर्शन देने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और विविध करियर अवसरों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जम्मू मंडल में टिकट चेकिंग अभियान में 12,314 मामले दर्ज किए गए

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। जम्मू मंडल रेलवे द्वारा जून 2026 में बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए सघन टिकट चेकिंग अभियान में 12,314 मामले दर्ज किए गए जिनसे 75.43 लाख से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

यह अभियान 1 जून से 30 जून तक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल के नेतृत्व में चलाया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह राशि बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट, बिना बुक सामान और अन्य उल्लंघनों से वसूले गए जुर्माने के रूप में प्राप्त हुई है।

अधिकारी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं बल्कि यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा के लिए प्रेरित करना है।

अवैध खनन में लिप्त 3 डंपर जब्त

कठुआ, 01 जुलाई (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए नगरी और मढ़हीन क्षेत्रों में 3 डंपरों को जब्त किया है। ये सभी वाहन बिना वैध अनुमति (ए-फॉर्म के बिना) निर्माण सामग्री के अवैध खनन और परिवहन में लिप्त पाए गए थे।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र नेतृत्व में की गई। पहले मामले में पुलिस पोस्ट नगरी की टीम ने गश्त के दौरान नगरी क्षेत्र में दो डंपर जेके08आर-9950 और पीबी02डीयू-7563 को पकड़ा जो बिना किसी वैध दस्तावेज के निर्माण सामग्री ले जा रहे थे। दूसरे मामले में पुलिस पोस्ट मढ़हीन की टीम ने एक अन्य डंपर जेके21जी-3163 को अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त किया। पुलिस ने तीनों जब्त डंपरों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भू-विज्ञान एवं खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया है।

महानपुर डिग्री कॉलेज में नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 01 जुलाई (हि.स.)। 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के अंतर्गत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिसका समन्वय प्रो. सपना देवी ने किया।

इस दौरान नशा मुक्ति शपथ समारोह, जागरूकता अभियान, दीवार लेखन, से नो टू ड्रग के नारे, पौधारोपण, स्वच्छ भारत-हरित भारत अभियान तथा योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्य डॉ. सूदन ने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई और उन्हें समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों पर ध्यान देने का आह्वान किया। प्रो. सपना देवी ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रो. रूपाली सहित स्टाफ सदस्य रमेश, कुलदीप, सनी, और अनु राधा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में सभी ने जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

चलाया स्वच्छ भारत अभियान, सैनिकों और स्थानीय लोगों ने मिलकर की सफाई

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने राजौरी जिले के समोटे क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

अभियान का उद्देश्य सैनिकों और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, साफ-सफाई और बेहतर स्वच्छता प्रबंधन के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को स्वच्छ वातावरण और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध की जानकारी दी गई।

साथ ही आसपास के क्षेत्रों को साफ-सफाई बनाए रखने, कचरे के उचित निस्तारण, बेहतर स्वच्छता व्यवस्था, सीवेज प्रबंधन तथा व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में यह संदेश भी दिया गया कि स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाकर ही स्वस्थ और जिम्मेदार समाज का निर्माण किया जा सकता है।

इस अभियान में कुल 23 लोगों ने भाग लिया जिनमें भारतीय सेना के 8 जवान और 15 स्थानीय नागरिक शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक आसपास के क्षेत्रों की सफाई की तथा यूनिट परिसर और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों और गांवों को स्वच्छ रखने की सामूहिक शपथ ली।

डोगरी संस्था जम्मू ने शुरू की 15 दिवसीय अनुवाद कार्यशाला, 70 से अधिक विद्यार्थी ले रहे प्रशिक्षण

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। डोगरी संस्था जम्मू ने विद्यार्थियों में व्यावहारिक अनुवाद कौशल विकसित करने तथा डोगरी भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से मंगलवार को 15 दिवसीय कौशल विकास इंटर्नशिप अनुवाद कार्यशाला का शुभारंभ किया। 60 घंटे की यह गहन प्रशिक्षण कार्यशाला 1 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी जिसमें जम्मू के विभिन्न महाविद्यालयों के 70 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का आयोजन पद्मश्री प्रो. ललित मगोत्रा के निर्देशन में किया जा रहा है जबकि डॉ. बंसी लाल शर्मा सह-संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इसमें गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन (जीसीडब्ल्यू) परेड, एम.ए.एम. कॉलेज तथा एस.पी.एम.आर. कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जम्मू के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है जो अनुवाद को एक उभरते हुए शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में युवाओं की बढ़ती रुचि को दर्शाती है।

संस्था के अध्यक्ष प्रो. ललित मगोत्रा ने कहा कि आज के बहुभाषी दौर में अनुवाद केवल भाषाओं के बीच संवाद स्थापित करने का माध्यम नहीं बल्कि ज्ञान, साहित्य, संस्कृति और विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त साधन भी है। उन्होंने कहा कि मीडिया, प्रकाशन, प्रशासन, शिक्षा, डिजिटल मंचों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित अनुवादकों की मांग लगातार बढ़ रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक प्रशिक्षण देकर इन नए अवसरों के लिए तैयार करना है।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को विज्ञापन, ज्ञान-साहित्य, समाचार लेखन, मशीन अनुवाद, साहित्यिक कथा-साहित्य, उपशीर्षक (सबटाइटल) निर्माण तथा कार्यालयी पत्राचार सहित अनुवाद के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभिन्न सत्रों का संचालन प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को व्यावसायिक अनुवाद की तकनीकों, चुनौतियों और नैतिक पक्षों की गहन जानकारी प्राप्त होगी।

जम्मू-कश्मीर बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में दूसरों की जगह पेपर दे रहे दो लोग गिरफ्तार

राजौरी, 01 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में नकल और प्रतिरूपण (इम्परसनेशन) का गंभीर मामला सामने आया है।

30 जून 2026 को परीक्षा के दौरान 10वीं कक्षा के दो ऐसे उम्मीदवारों को पकड़ा गया जो परीक्षा केंद्र के अंदर किसी और उम्मीदवार की जगह परीक्षा दे रहे थे।

दोनों उम्मीदवारों की उत्तर पुस्तिकाएं ज़ब्त कर ली गई और उन्हें राजौरी के ब्लॉक टेरियाथ पुलिस के हवाले कर दिया गया। पकड़े गए लोगों की पहचान मोहम्मद आरिफ पिता मोहम्मद बशीर, निवासी नारला और एजाज पिता कालू खान, निवासी कोटचलवाल) के तौर पर हुई है।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर में ऑफ़लाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर में ऑफ़लाइन रजिस्ट्रेशन बुधवार को शुरू हुआ।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना करने से एक दिन पहले ही सैकड़ों श्रद्धालु तय समय पर पहुंच गए हैं।

3,880 मीटर ऊंचे अमरनाथ गुफा मंदिर की 57 दिन की यात्रा 3 जुलाई को अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल जिले में छोटे लेकिन खड़ी चढ़ाई वाले 14 किलोमीटर लंबे बालटाल रूट से शुरू होगी।

यात्रा के लिए करीब चार लाख तीर्थयात्री पहले ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

रात भर हुई बारिश से जम्मू में मौसम तो सुहावना हो गया लेकिन इससे तीर्थयात्रियों का उत्साह कम नहीं हुआ। वे यात्रा के लिए पास पाने के लिए सुबह-सुबह ही रजिस्ट्रेशन सेंटर्स के बाहर लाइन में लग गए।

टोकन होल्डर्स के लिए ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन बुधवार सुबह शुरू हुआ जबकि देश के अलग-अलग हिस्सों से जम्मू पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों के लिए टोकन बांटने का काम लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। रजिस्ट्रेशन और टोकन बांटने के लिए जम्मू आर्टिफिशियल लेक के पास तवी रिवरफ्रंट, गीता भवन, राम मंदिर और भगवती नगर में काउंटर बनाए गए हैं। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था गुरुवार सुबह भगवती नगर बेस कैंप से रवाना किया जाएगा।

सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत एक माह का बढ़ईगीरी प्रशिक्षण करवाया संपन्न, 15 युवाओं को मिले प्रमाणपत्र और टूल किट

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत डोडा जिले के गांव ग्वारी में आयोजित एक माह के बढ़ईगीरी (कारपेंटर) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया। 1 जून से चले इस प्रशिक्षण का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों तथा आतंकवाद प्रभावित परिवारों के युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 15 युवाओं ने भाग लिया।

योग्य प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को बढ़ईगीरी के मूलभूत कौशल, विभिन्न उपकरणों के सुरक्षित उपयोग, कार्यकुशलता, सुरक्षा मानकों तथा फर्नीचर निर्माण की व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं ने अपने सीखे हुए कौशल का प्रदर्शन करते हुए तीन कंप्यूटर टेबल तैयार कीं जिन्हें कौशल विकास में सहयोग के प्रति सम्मान और आभार स्वरूप आईटीआई कॉलेज बंगरू को भेंट किया गया।

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर सभी प्रतिभागियों को भारतीय सेना और आईटीआई द्वारा प्रमाणित प्रमाणपत्र तथा बढ़ईगीरी के टूल किट प्रदान किए गए ताकि वे सीखे गए कौशल का उपयोग कर स्वरोजगार शुरू कर सकें।

समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षित युवाओं ने भारतीय सेना का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें रोजगार प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रकार की पहल से क्षेत्र में युवाओं के लिए सम्मानजनक आजीविका के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

श्रीनगर में पहली बार लगेगा एशियन गेम्स से पहले भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के खेल इतिहास में पहली बार भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर श्रीनगर में आयोजित किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर एमेच्योर सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन, एमेच्योर सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएसटीएफआई) के तत्वावधान तथा जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से 20वें एशियाई खेल, जापान-2026 की तैयारियों के लिए यह राष्ट्रीय कोचिंग कैंप आयोजित किया जा रहा है। शिविर 10 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक श्रीनगर के गिंदुन स्पोर्ट्स स्टेडियम, राजबाग में चलेगा।यह राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर जम्मू-कश्मीर की खेल अधोसंरचना और प्रशासनिक क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी मान्यता माना जा रहा है। पहली बार एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण शिविर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आयोजित होगा जो क्षेत्र के विकसित होते खेल वातावरण पर राष्ट्रीय खेल संस्थाओं और भारत सरकार के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल ने शिविर के सफल आयोजन के लिए विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। काउंसिल का कहना है कि खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। सॉफ्ट टेनिस भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त खेल है। यह स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज से भी मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा यह एशियन सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन और इंटरनेशनल सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन से संबद्ध है तथा राष्ट्रीय खेलों और एशियाई खेलों का भी हिस्सा है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU

NOTICEINVITINGTENDER (Short Term)

MHDJ/e-NIT 100 of 2026-27

Dated: 30.06.2026
Due : 09.07.2026

Onbehalfof the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir,e-tenders in two cover system on turnkey basis areinvitedfrom registered/reputed firms having sufficient relevant experience for the workmentioned below:

S. No	Description of work	Project Authority	Estt	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	Recharging to 120 TR capacity Air Cooled AC Chiller Plant No II including allied works installed for Convention Centre Jammu.	Director Hospitality and Protocol J&K	1.75 LACS	Rs 4000.00 in the Shape of CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu	Rs 200.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025	10 days	Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C"similar nature of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

Sd/-
(Er. Vishal Mahajan)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

DIP/J-4823/26
Dtd:1-7-2026

संपादकीय

सुरक्षा संबंधी एडवाइजरी का पालन करें

जम्मू-कश्मीर में लोगों, विशेषकर पर्यटकों के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे सरकार द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी एडवाइजरी को गंभीरता से लें और बिना किसी हिचकिचाहट के उनका पालन करें।

यह उल्लेखनीय है कि प्रत्येक सुरक्षा एडवाइजरी के पीछे संभावित जोखिमों से जुड़ा एक ठोस कारण होता है। इसलिए इन निर्देशों की अनदेखी करना न केवल नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के लिए परेशानी का कारण बन सकता है, बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश के लिए भी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। खासकर ऐसे समय में, जब प्रतिष्ठित श्री अमरनाथजी यात्रा 3 जुलाई, 2026 से पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से शुरू होने जा रही है और सुरक्षा चुनौतियां अत्यंत संवेदनशील हैं।

इसी संदर्भ में बारामूला पुलिस द्वारा जारी वह एडवाइजरी, जिसमें पर्यटकों को श्री अमरनाथजी यात्रा-2026 के दौरान शाम 5:00 बजे के बाद श्रीनगर और गुलमर्ग के बीच अपने निजी वाहनों से यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है, उसका पूरी गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। यह व्यवस्था यात्रा काफिलों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए की गई है। इसलिए सरकार की सभी एजेंसियों द्वारा जारी ऐसे निर्देशों को पूरी निष्ठा के साथ लागू किया जाना चाहिए और आम जनता को भी बिना किसी अपवाद के उनका पालन करना चाहिए।

रिपोर्टों के अनुसार, यात्रा की 57 दिनों की अवधि के दौरान शाम 5:00 बजे के बाद किसी भी पर्यटक वाहन को गुलमर्ग से श्रीनगर या श्रीनगर से गुलमर्ग जाने की अनुमति नहीं होगी। ये व्यवस्थाएं यातायात मुख्यालय, जम्मू-कश्मीर तथा जोनल पुलिस मुख्यालय, कश्मीर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप लागू की गई हैं, ताकि श्री अमरनाथजी यात्रा के काफिलों की सुरक्षित, सुचारु और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जा सके तथा यातायात प्रबंधन प्रभावी ढंग से संचालित हो सके।

इसलिए पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि वे इस मार्ग पर अपनी यात्रा निर्धारित समय के भीतर ही पूरी करें। दक्षिण कश्मीर हिमालय में आयोजित होने वाली इस वार्षिक तीर्थयात्रा के सफल संचालन के लिए सरकार को व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं करनी पड़ती हैं। ऐसे में जम्मू और कश्मीर आने वाले पर्यटकों तथा स्थानीय लोगों का यह दायित्व बनता है कि वे पुलिस और यातायात पुलिस के जवानों द्वारा दिए गए निर्देशों का पूरी ईमानदारी से पालन करें, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और यातायात संचालन प्रभावित न हो।

समाज के सभी वर्गों का ऐसा सहयोग व्यवस्थित यातायात बनाए रखने के लिए आवश्यक है। यह व्यवस्था पूरी तरह जनसुरक्षा, यातायात नियंत्रण और वार्षिक तीर्थयात्रा के सफल संचालन के हित में की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गुलमर्ग विकास प्राधिकरण ने भी 5 जुलाई, 2026 से गुलमर्ग में प्रवेश करने वाले चार पहिया वाहनों के लिए विषम-सम (ऑड-ईवन) प्रणाली लागू करने का आदेश जारी किया है। यह व्यवस्था 5 अगस्त, 2026 तक पायलट परियोजना के रूप में लागू रहेगी।

अंततः जम्मू-कश्मीर के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सुरक्षा और जनसुविधा के लिए जारी सभी सरकारी निर्देशों का बिना किसी आपत्ति के पालन करें। सरकार द्वारा उठाए जा रहे ये सभी कदम राज्य के निवासियों और धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधा और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ही किए जा रहे हैं।

परिवर्तन की जड़ें- ई-गवर्नेंस से बदलता ग्रामीण भारत

– प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि भर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिसने डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भरोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित निकायों से आगे बढ़कर, शासन की तीसरी स्तरीय व्यवस्था की आत्मविश्वासी, सक्षम और तकनीकी रूप से दक्ष संस्थाओं के रूप में स्थापित हुई हैं।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्कृष्ट लोक सेवा वितरण के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है।

इस वर्ष सात श्रेणियों में चयनित 17 परियोजनाओं में से 4 पंचायती राज क्षेत्र से संबंधित हैं, जो ज़मीनी स्तर पर नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु पिछले बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों का स्वाभाविक परिणाम है।

ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु पंचायती राज मंत्रालय की प्रमुख पहल, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (PAI), को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन केमूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, पहचान और जनभागीदारी को आपस में जोड़ने वाली एक पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था का निर्माण कर रहा है।

उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडे पुरग्राम पंचायत ने ग्रास रूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त कियाहै।

ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है।

यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ?3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासार प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता है। मेरी पंचायत ऐप, जिसे 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, विकास कार्यों की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचा रहा है।

इन प्रयासों के साथ-साथ, स्वामित्व योजना के तहत 3.30 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा जून 2026 के मध्य तक 1.94 लाख गांवों के लिए 3.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों के संपत्ति अधिकार सुदृढ़ हुए हैं और उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त करने में आसानी हुई है। पंद्रहवें वित्त आयोग की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों को 2.82 लाख करोड़ की अनुदान राशि जारी की गई, जो अब तक की सर्वाधिक है। सोलहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2026 से 2031 के लिए ?4.35 लाख करोड़ की सिफारिश की है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने सेवा से समृद्धि- पंचायतों के नेतृत्व में सेवा वितरण विषय पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है।

इन कार्यशालाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से सफल स्थानीय पहलों और नवाचारों को साझा किया जा रहा है, ताकि राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अच्छे मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके। इनकी उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं बहुत व्यापक हैं। इद्व्त्न 2026 में चयनित पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियां देशभर की पंचायतों को प्रेरित कर रही हैं, और अनेक पंचायतें अपने गांवों में बेहतर सेवाएं पहुंचाकर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे मॉडलों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव यह बल देते रहे हैं कि सुशासन वही है जो नागरिकों का जीवन सरल बनाए। पारदर्शी और तकनीक सक्षम व्यवस्थाओं के माध्यम से प्राप्त ईज़ ऑफ़ लिविंग ही किसी सरकार की मंशा और क्षमता की सच्ची कसौटी है।

यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि दूसरों का सम्मान करना स्वयं के सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है। पंचायतों को डिजिटल साधनों से सशक्त बनाकर और उनकी क्षमता पर विश्वास जताकर, केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण मंच पर देश को सम्मानित होने का मार्ग प्रशस्त किया है।

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, सशक्त पंचायतों की भूमिका और भी केंद्रीय होती जा रही है। लगभग 90 करोड़ नागरिकों के ग्रामीण भारत में निवास करने के साथ, हमारी पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती ही हमारी सामूहिक प्रगति की गति तय करेगी। विकसित पंचायत, विकसित भारत से अलग नहीं, बल्कि उसकी सबसे मजबूत नींव है।

ये चार राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन, प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने के प्रतीक हैं। ये जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रत्येक सरपंच, पंचायत सचिव और महिला जनप्रतिनिधि के लिए एक प्रेरणा हैं कि उनके समर्पण और प्रयासों को पहचान मिल रही है, उनकी सराहना की जा रही है और उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों ने ही ऐसी उत्कृष्टता के उभरने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। इद्व्त्न 2026 में मिली पहचान से लेकर देशभर में बढ़ती सेवा से समृद्धि कार्यशालाओं की गति तक, यह सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस की जड़ें वास्तव में गहरी हो चुकी हैं, और विकसित पंचायत के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की यह यात्रा हर गुजरते वर्ष के साथ और सशक्त होती जा रही है।

(लेखक केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री हैं।

उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडे पुरग्राम पंचायत ने ग्रास रूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त कियाहै।

ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है।

क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं?

-ओ.पी. पाल

भारतीय लोकतंत्र का जमीनी आधार और भारत की आत्मा गांवों में बसती है, उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा ग्राम सभा में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को संख्या-केंद्रित से परिणाम-केंद्रित बनाने का सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है।

दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक और साक्ष्य आधारित दस्तावेज़ है। खास बात है कि इस अध्ययन का दायरा और सांख्यिकी के हिसाब से भारत के ग्रामीण नीति-निर्माण के इतिहास में सबसे व्यापक और विशाल क्षेत्र आधारित आकलनों में से एक है। देश की ग्राम सभाओं को लेकर यह राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट भारत के ग्रामीण स्वशासन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएँ अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक में शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। पंचायती राज मंत्रालय और नीति आयोग का यह संयुक्त प्रयास साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से देश की जमीनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को एक नई ऊर्जा, समावेशन और शक्ति प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दिशा में मोदी सरकार देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने और नीतियों के केंद्र में नागरिक को रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राम सभा को जमीनी लोकतंत्र की सबसे सची अभिव्यक्ति करार देकर ग्रामीण ढांचागत और संस्थागत व्यवस्था की नींव को मजबूती देने की पहल की है।

देश का सबसे बड़ा सर्वे- 26 रायों और 7,800 लोगों से संवाद

इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता और इसकी साक्ष्य आधारित प्रकृति को समझने के लिए इसके सांख्यिकीय दायरे को समझना आवश्यक है। इस रिपोर्ट में संस्थान के सह-अध्यापक डॉ. अंजन कुमार भांजा द्वारा प्रस्तुत किए गए निष्कर्षों पर गौर किया जाए तो यह देश के सबसे बड़े क्षेत्र-आधारित अध्ययनों में से एक है। इस शोध के दायरे में देश के 26 रायों और केंद्र शासित प्रदेशों के 213 जिलों को शामिल किया गया। टीम ने लगभग 400 ग्राम पंचायतों (जिनमें पेसा क्क्ष्र् क्षेत्र और महिला-हितैषी पंचायतें भी शामिल हैं) का दौरा कर 7,800 उत्तरदाताओं से सीधा संवाद किया, जिसके बाद यह साक्ष्य आधारित द्वि-खंडीय रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें 10 रायों की उन बेस्ट प्रैक्टिसेज (सर्वोत्तम प्रयोगों) को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अपने यहाँ भागीदारी बढ़ाने में सफलता पाई है। है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते। इसके अलावा कम प्रतिनिधित्व वाले समूह को लेकर खुलासा हुआ है कि प्रवासी परिवार (17.61 प्रतिशत), युवा (16.73 प्रतिशत), बुजुर्ग (15.80 प्रतिशत) और महिलाएं (13.40 प्रतिशत) ग्राम सभा की प्रक्रियाओं में सबसे कम शामिल हो पाते हैं। यही नहीं इसके अलावा 45.46 प्रतिशत चर्चा के विषयों का प्रासंगिक न होना और 42.0 प्रतिशत हर बार एक जैसी उबाऊ और दोहराव वाली चर्चाएं भी इस व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। जबकि 33.4 प्रतिशत प्रशासन और व्यवस्था के प्रति अविश्वास, 32.7 प्रतिशत राजनीतिक हस्तक्षेप और 27.9 प्रतिशत स्थानीय गुटबाजी के साथ 16.2 प्रतिशत शिकायतों के निवारण की कमजोर व्यवस्था भी बड़ा कारण माना गया है।

पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने ग्रामीण भारत में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में गांवों तक बुनियादी सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हुई है। अब बारी जमीनी लोकतंत्र को और गहरा करने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह अध्ययन महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय जल्द ही रायों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर इस रिपोर्ट की सिफारिशों को जमीन पर लागू करेगा, ताकि देश की ग्राम सभाएं अधिक समावेशी और परिणामोन्मुख बन सकें। इस अध्ययन रिपोर्ट से एक बड़ा संदेश यह भी मिलता है कि ग्राम सभाओं को सफल बनाने का पैमाना केवल बैठक में जुटी भीड़ या हाजिरी रजिस्टर नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता इस बात में है कि चर्चाएं कितनी प्रासंगिक हैं, निर्णय कितने पारदर्शी हैं और शिकायतों का निवारण कितनी तेजी से होता है। जब तक ग्रामीण नागरिकों को ग्राम सभा के निर्णयों का जमीन पर वास्तविक असर नहीं दिखेगा, तब तक उनका भरोसा जीतना नामुमकिन है।

अध्ययन में सुझाव दिए गये हैं कि महिलाओं के मुद्दों के लिए महिला ग्राम सभा और बचों व युवाओं के लिए बाल सभा जैसे मंचों का नियमित आयोजन होना चाहिए, जिनकी सिफारिशों को मुख्य ग्राम सभा के एजेंडे में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। जब लोगों को दिखेगा कि उनके द्वारा किए गए ऑडिट से भ्रष्टाचार पर रोक लग रही है और काम की गुणवत्ता सुधर रही है तो उनकी भागीदारी स्वतः बढ़ेगी। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ड्रग्स माफिया पर त्री-स्तरीय वार- पहचान, प्रहार और पूर्ण सफाया

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश की युवा शक्ति सुरक्षित, स्वस्थ और उत्पादक बनी रहे। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने अब नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल कानून-व्यवस्था का विषय न मानकर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा का अभियान बना दिया है। इसी सोच के साथ जारी मादक पदार्थ नियंत्रण विज़न डॉक्यूमेंट 2026-2029 यह संकेत देता है कि अब कार्रवाई का लक्ष्य पूरे नार्को इकोसिस्टम को जड़ से खत्म करना है।

पिछले कुछ वर्षों में यह साफ हुआ है कि ड्रग्स कारोबार के तार आतंकवाद, हवाला, संगठित अपराध, सीमा पार तस्करी और डिजिटल अपराधों से जुड़ चुके हैं। ऐसे में यदि कार्रवाई केवल छोटे तस्करों तक सीमित रहे तो समस्या का समाधान संभव नहीं है। सरकार ने इसी कमजोरी को पहचानते हुए अब डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय का नया मंत्र दिया है। मोदी सरकार की यह कार्यप्रणाली बताती है कि पहले पूरे नेटवर्क की पहचान होगी, फिर उसकी सप्लाई चेन और वित्तीय तंत्र को तोड़ा जाएगा और अंततः पूरे कार्टेल का स्थायी खात्मा किया जाएगा।

इस नई नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अपराधियों के साथ-साथ उनके आर्थिक ढांचे को भी निशाना बनाया गया है। वस्तुतः अब केवल मादक पदार्थ जब्त कर लेना पर्याप्त नहीं माना जाएगा। हवाला नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी के जरिए होने वाले लेन-देन, डार्कनेट पर संचालित कारोबार, बैंक खातों और अवैध संपत्तियों तक कार्रवाई का दायरा बढ़ाया गया है। स्पष्ट है कि सरकार ड्रग्स माफिया की आर्थिक रीढ़ तोड़कर इस कारोबार को असंभव बनाना चाहती है।

आज ड्रग्स तस्करी का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। ड्रोन के माध्यम से सीमा पार खेप पहुंचाना, समुद्री मार्गों का इस्तेमाल, कंटेनर तस्करी, ऑनलाइन नेटवर्क और डार्क वेब के जरिए अवैध व्यापार जैसी चुनौतियां पारंपरिक पुलिस व्यवस्था से नहीं सुलझ सकतीं, इसलिए विज़न डॉक्यूमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम डेटा शेयरिंग, तकनीकी खुफिया तंत्र, अपराध मानचित्रण और आधुनिक निगरानी प्रणाली को विशेष महत्व दिया गया है। यह बदलाव बताता है कि सरकार अब अपराधियों से एक कदम आगे रहने की रणनीति पर काम कर रही है।

इस अभियान की एक और उल्लेखनीय विशेषता ध्यान में आई है, वह यह है कि इसमें केवल सख्ती नहीं, संवेदनशीलता भी दिखाई देती है। फिर गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट भी कर दिया है, ड्रग्स माफिया के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह कठोर होगी, किंतु नशे की लत के शिकार युवाओं को अपराधी न मानकर उन्हें पीड़ित मनकर उनके पुनर्वास पर बराबर ध्यान दिया जाएगा। यह संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक भी है क्योंकि नशे के खिलाफ स्थायी सफलता गिरफ्तारी से अधिक समाज को नशामुक्त बनाने से मिलेगी।

कहना होगा कि सरकार की चार स्तंभों वाली कार्ययोजना इसी व्यापक सोच को दर्शाती है। प्रभावी प्रवर्तन, सिंथेटिक ड्रग्स और रसायनों पर नियंत्रण, नशे की मांग कम करना तथा पुनर्वास और संस्थागत क्षमता निर्माण, इन सभी पहलुओं को समान महत्व दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकार समस्या के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पक्ष पर भी काम करना चाहती है।

राज्यों की भूमिका को लेकर भी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है। ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई केवल केंद्र सरकार नहीं जीत सकती। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को अधिक संसाधन, एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, मजबूत चार्जशीट और जवाबदेह व्यवस्था पर जोर बताता है कि अब परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि राज्यों में यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो ड्रग्स नेटवर्क पर लगातार दबाव बनाए रखना संभव होगा।

विशेष एनडीपीएस अदालतों के गठन पर दिया गया जोर भी स्वागतयोग्य है। अक्सर वर्षों तक मुकदमे लंबित रहने से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। यदि जांच के साथ त्वरित सुनवाई और शीघ्र सजा सुनिश्चित होती है तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी व्यापक होगा और ड्रग्स कारोबार में शामिल लोगों के लिए कानून का डर बढ़ेगा।

सरकार ने सीमाओं से लेकर गांवों तक निगरानी मजबूत करने की जो योजना बनाई है, वह भी महत्वपूर्ण है। सीमावर्ती गांव, बंदरगाह, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और संवेदनशील जिलों में तकनीकी निगरानी तथा कम्युनिटी पुलिसिंग का विस्तार इस बात का संकेत है कि अब तस्करी के हर संभावित मार्ग पर नजर रखी जाएगी। साथ ही अवैध अफीम और अन्य मादक फसलों की खेती के खिलाफ बढ़ती कार्रवाई यह दर्शाती है कि सरकार उत्पादन के स्रोत पर भी समान सख्ती बरत रही है।

ड्रग्स के खिलाफ समाज की भागीदारी को अभियान का आधार बनाना भी दूरदर्शी कदम है। माता-पिता, शिक्षक, शिक्षण संस्थान, युवा संगठन और सामाजिक संस्थाएं यदि इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाते हैं तो नशे की मांग स्वतः घटेगी। आखिर किसी भी अवैध कारोबार का सबसे बड़ा आधार उसकी मांग होती है। जब समाज ही नशे के प्रति जागरूक होगा तो तस्करी के नेटवर्क भी कमजोर पड़ेंगे।

इस संबंध में पिछले वर्षों के आंकड़े भी बताते हैं कि कार्रवाई का दायरा लगातार बढ़ा है। रिकॉर्ड मात्रा में मादक पदार्थों की जब्ती, लाखों मामलों का पंजीकरण, बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां, अवैध खेती का विनाश और हजारों करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स का नष्ट किया जाना यह संकेत देता है कि सरकार ने इस चुनौती को प्राथमिकता दी है। अब 6,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थों के विनष्टीकरण का नया अभियान इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

निःस्संदेह, नशामुक्त भारत का लक्ष्य सिर्फ सरकारी योजनाओं के भरोसे हासिल नहीं हो सकता है, इसके लिए कानून, तकनीक, न्याय व्यवस्था, सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता से लेकर वे तमाम उपाय एक साथ हर मोर्चे पर करने होंगे, जो इसे रोकने के लिए आवश्यक हैं। डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय की नई रणनीति इसी समग्र सोच का परिचायक है। यदि इस रोडमैप को पूरी प्रतिबद्धता और समन्वय के साथ लागू किया गया तो आने वाले वर्षों में भारत उम्मीद करेंगे कि ड्रग्स माफिया के खिलाफ निर्णायक बढ़त हासिल करेगा, तभी हम सही मायनों में विकसित भारत के संकल्प को भी एक मजबूत सामाजिक आधार प्रदान कर पाएंगे।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आमिर बने स्नूकर के चैम्पियन, राकेश को बिलियर्ड्स का खिताब

एजेंसी

प्रयागराज। आमिर रईस ने अफजल कुरैशी को 4-2 से हराकर जिला स्नूकर चैम्पियनशिप के खिताब पर कब्जा जमा लिया। वेटरन बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप का खिताब राकेश बग्गा ने अपने नाम किया। प्रयागराज क्यू स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में वेलकमहोटल बाय आईटीसी होटल्स में हुई स्नूकर चैम्पियनशिप के फाइनल में आमिर रईस और अफजल कुरैशी ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। संयम, रणनीति और शानदार पॉटिंग का प्रदर्शन करते हुए दोनों खिलाड़ियों ने दर्शकों को अंतिम फ्रेम तक रोमांचित बनाए रखा। अंततः आमिर रईस ने 4-2 (70-63, 54-64, 43-36, 73-51, 63-51) से जीत दर्ज कर प्रयागराज जिला स्नूकर चैम्पियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम किया। वेटरन बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में राकेश बग्गा ने दिनेश अग्रवाल को 107-86 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। मुख्य अतिथि वेलकमहोटल बाय आईटीसी होटल्स, प्रयागराज के प्रबंध निदेशक जेके अग्रवाल एवं प्रयागराज क्यू स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव एवं भारत में छठवीं रैंकिंग के स्नूकर खिलाड़ी व कई बार स्टेट चैम्पियन रह चुके विनायक अग्रवाल ने विजेताओं, उपविजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र, 50,000 की नगद पुरस्कार राशि एवं स्वर्गीय पीएन अग्रवाल की स्मृति में स्थापित रोलिंग ट्रॉफी प्रदान की।

पंजाब एफसी से जुड़े मोहम्मद इनाम, किया दो साल का अनुबंध

मोहाली। पंजाब एफसी ने मिडफील्डर मोहम्मद इनाम के साथ दो वर्ष का अनुबंध करने की घोषणा की है। इस करार के तहत वह 31 मई, 2028 तक क्लब के साथ जुड़े रहेंगे। छुट्टियांव मौसमी आयोजन जम्मू-कश्मीर के रहने वाले इनाम, रियल कश्मीर एफसी से पंजाब एफसी में शामिल हुए हैं। उन्होंने इंडियन फुटबॉल लीग 2025-26 सीज़न में श्रीनगर स्थित क्लब की कप्तानी भी की थी। रियल कश्मीर एफसी के साथ दो अलग-अलग कार्यकाल में उन्होंने कुल 53 मुकाबले खेले, जिनमें छह गोल किए और दो असिस्ट दर्ज किए। श्रीनगर में जन्मे और पले-बढ़े इनाम ने 10 वर्ष की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू किया। रियल कश्मीर की युवा टीम में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एएफसी अंडर-16 राष्ट्रीय टीम के ट्रायल के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने अपने सीनियर करियर की शुरुआत लोनस्टार कश्मीर से की, जिसके बाद 2021 में दिल्ली एफसी से जुड़े। वहां उन्होंने आई-लीग क्वालिफायर और डूरंड कप में हिस्सा लिया। इसके बाद रियल कश्मीर और डाउनटाउन हीरोज के लिए खेलने के बाद वह दोबारा रियल कश्मीर लौटे और टीम के प्रमुख मिडफील्डरों में अपनी जगह बनाई। उनके नेतृत्व गुणों को देखते हुए उन्हें इंडियन फुटबॉल लीग 2025-26 सीज़न के लिए टीम की कप्तानी भी सौंपी गई।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का को सौंपी गई कप्तानी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने 5 से 18 जुलाई 2026 तक होने वाले बेल्जियम एक्सपोज़र टूर के लिए 22 सदस्यीय भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज़ के मार्गदर्शन में टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा और इस साल होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष एशिया कप की तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन भारतीय टीम इस दौरे में यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ छह मुकाबले खेलेगी। भारत दो-दो मैच ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ खेलेगा, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड्स के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा। टीम की कमान डिफेंडर अनमोल एक्का को सौंपी गई है। गोलकीपर के रूप में विवेक लकड़ा और कुणाल तिवातिया को शामिल किया गया है। भारतीय टीम में चार ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप तमिलनाडु 2025 में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम का हिस्सा थे। इनमें अनमोल एक्का, आद्रोहित एक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू शामिल हैं।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर को मिली कप्तानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के ऐची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। अब टीम उस सफलता को दोहराने के इरादे से जापान जाएगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर ऋचा घोष और जी. कमलिनी टीम का हिस्सा हैं। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, श्री चरणी, क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा को शामिल किया गया है।

2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल* (फिटनेस क्लियरेंस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

वेस्टइंडीज वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, मैट फिशर को पहली बार मौका, जैकब डफी की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुधवार को 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जबकि हालिया इंग्लैंड टेस्ट दौरे से बाहर रहे जैकब डफी की टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज 11 जुलाई से गुयाना में होगा। इसके बाद तीन मुकाबले 11, 13 और 16 जुलाई को खेले जाएंगे, जबकि अंतिम दो मैच 19 और 21 जुलाई को बारबाडोस में होंगे। 26 वर्षीय मैट फिशर ने अगस्त 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट और इस वर्ष बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने 25 लिस्ट-ए मुकाबलों में 26 की औसत से 43 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, जैकब डफी मार्च में खेले गए टी20 विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार न्यूजीलैंड टीम में लौटे हैं। विश्व कप के बाद उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेला था, लेकिन पहले बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बाहर रहे थे। मैट और जैकब दोनों के टीम में आने से हमें मजबूती मिलेगी। मैट को पहली बार वनडे टीम में मौका मिलना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और मैच के अलग-अलग चरणों में प्रभावी गेंदबाजी करने के लिए अपनी विविधताओं पर लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने डफी की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में उन्होंने सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है और उनका अनुभव टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर संभालेंगे। स्पिन विभाग में उनके अलावा माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को जगह मिली है। लेनॉक्स इस साल जनवरी में भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर चुके हैं और यह उनका तीसरा विदेशी सीमित ओवरों का दौरा होगा। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन भी हालिया अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट से बाहर रहने के बाद टीम में लौटे हैं। न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओ'रूर्क को व्यस्त कार्यक्रम के कारण आराम दिया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के चलते उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं डेवोन कॉनवे दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इस दौरे पर नहीं जाएंगे, जबकि रचिन रवींद्र पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में हिस्सा लेने के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगे। मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, निक केली, टॉम लैथम (विकेटकीपर), जेडन लेनॉक्स, डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

एमबाप्पे के दो गोल से फ्रांस प्री-क्वार्टर फाइनल में, स्वीडन को 3-0 से हराया

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे के शानदार दो गोलों की बदौलत फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में स्वीडन को 3-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में फ्रांस ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा। फ्रांस को पहला गोल पहले हाफ के अंतिम क्षणों में मिला। 45वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने शानदार फिनिश के साथ टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई और हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में फ्रांस ने आक्रामक खेल जारी रखा। 53वें मिनट में माइकल ओलिसे के बेहतरीन पास पर ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 74वें मिनट में एमबाप्पे ने अपना दूसरा गोल करते हुए फ्रांस की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के साथ उन्होंने टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या 18 तक पहुंचा दी।

फ्रांस की मजबूत रक्षा पंक्ति ने पूरे मुकाबले में स्वीडन के हमलों को नाकाम रखा और विपक्षी टीम को गोल करने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ फ्रांस ने विश्व कप के अंतिम-16 (राउंड ऑफ-16) में प्रवेश कर लिया, जबकि स्वीडन का अभियान समाप्त हो गया।

फीफा विश्व कप 2026 : नॉर्वे प्री-क्वार्टर फाइनल में, आइवरी कोस्ट विश्व कप से बाहर

एजेंसी

आर्लिंगटन (टेक्सास)। स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड के 86वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट मुकाबले में आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ आइवरी कोस्ट का विश्व कप अभियान समाप्त हो गया। अब नॉर्वे का सामना अंतिम-16 में ब्राज़ील से होगा। दोनों टीमें न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। पहले हाफ में नॉर्वे ने 39वें मिनट में बढ़त बनाई। आरबी लाइपज़िग के विंगर एंटोनियो नूसा ने शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर आइवरी कोस्ट के गोलकीपर याहिया फोफाना को छकाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में आइवरी कोस्ट ने जोरदार वापसी की। मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर अमाद डियालो ने 74वें मिनट में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रयास से गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि पूरे मैच में अपेक्षाकृत शांत रहे एरलिंग हालैंड ने आखिरकार 86वें मिनट में अपना जलवा

दिखाया। पैट्रिक बर्ग के पास पर उन्होंने नजदीक से गोल दागकर नॉर्वे को 2-1 की बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही। इस गोल के साथ हालैंड ने मौजूदा विश्व कप में अपने गोलों की संख्या पांच कर ली है। वह अब गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी से केवल एक गोल पीछे हैं। हालैंड का शानदार फॉर्म भी लगातार जारी है। अक्टूबर 2024 से अब तक उन्होंने नॉर्वे के लिए खेले गए हर प्रतिस्पर्धी मैच में गोल किया है। इस दौरान उन्होंने 13 मुकाबलों में 25 गोल दागे हैं। ब्राज़ील के खिलाफ होने वाला मुकाबला नॉर्वे के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा क्योंकि दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले चार मुकाबलों में नॉर्वे को हार नहीं मिली है। विश्व कप में दोनों की पिछली भिड़ंत 1998 में हुई थी, जिसमें नॉर्वे ने ब्राज़ील को 2-1 से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया लगातार आठवीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

एजेंसी

लंदन। महिला टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी अजेय लय बरकरार रखते हुए खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी पर शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। कैरेबियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 125 रन ही बना सकी। कप्तान और सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज ने सर्वाधिक 30 रन बनाए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से सोफी मोलिन्यूक्स, एश्ले गार्डनर और जॉर्जिया वेयरहैम ने दो-दो विकेट हासिल किए। 126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और केवल 13 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। विकेटकीपर बल्लेबाज बेथ मूनी ने 36 गेंदों में आठ चौकों की

मदद से नाबाद 61 रन बनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने एश्ले गार्डनर के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 गेंदों में नाबाद 63 रन की साझेदारी कर मैच को पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में कर दिया। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान हेली मैथ्यूज और चिनेल हेनरी को एक-एक विकेट मिला, लेकिन वे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अधिक देर तक रोक नहीं सकीं। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में आठवीं बार फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है और छह बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम एक बार फिर खिताब जीतने की प्रबल दावेदार बनकर उभरी है।

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराया, रचा इतिहास

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में बुधवार को इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 वर्षों का इंतजार खत्म किया और अंतिम-16 में जगह बना ली। मेक्सिको की ओर से जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में नौ मिनट के भीतर गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

क्विनोनेस ने 22वें मिनट में गोल कर मेक्सिको को बढ़त दिलाई, जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में दूसरा गोल दागकर टीम की स्थिति मजबूत कर दी। यह मेक्सिको की विश्व कप नॉकआउट चरण में 1986 के बाद पहली जीत है। उस वर्ष मेक्सिको ने अपने घरेलू मैदान पर बुल्गारिया को हराकर अंतिम-16 पार किया था। इसके बाद टीम 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 विश्व कप में लगातार अंतिम-16 में हारकर बाहर हुई थी। वहीं 2022 कतर विश्व कप में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी।

क्विनोनेस और जिमेनेज ने

रचे नए रिकॉर्ड

टूर्नामेंट में क्विनोनेस का यह तीसरा गोल था। वह अब मेक्सिको के लिए विश्व कप इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे सफल गोल स्कोरर बन गए हैं। उनसे आगे केवल लुइस माटाडोर हर्नांडेज़ और जेवियर चिचारितो हर्नांडेज़ हैं, जिन्होंने चार-चार गोल किए थे।

वहीं राउल जिमेनेज ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना 47वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए जारेड बोर्गेट्टी को पीछे छोड़ दिया। अब वह चिचारितो के सर्वाधिक 52 गोल के रिकॉर्ड से केवल पांच गोल दूर हैं।

प्रतिष्ठित एज़्टेका स्टेडियम में मेक्सिको का विश्व कप रिकॉर्ड शानदार रहा है। यहां टीम ने अब तक खेले 10 विश्व कप मुकाबलों में कोई हार नहीं झेली है। आधिकारिक तौर पर मेक्सिको को इस मैदान पर केवल दो हार मिली हैं, जिनमें आखिरी हार 2013 में विश्व कप क्वालीफायर में होंडुरास के खिलाफ थी। इस जीत के साथ मेक्सिको ने सभी प्रतियोगिताओं में अपनी लगातार 12वीं अपराजित मैचों की श्रृंखला भी कायम रखी। इस जीत के साथ मेक्सिको विश्व कप के नॉकआउट चरण में किसी दक्षिण अमेरिकी टीम को हराने वाला पहला कॉनकाकाफ देश बन गया। इससे पहले दोनों महाद्वीपों की पांचों नॉकआउट भिड़ंत दक्षिण अमेरिकी टीमों ने जीती थीं। अब मेक्सिको का सामना अंतिम-16 में इंग्लैंड और कांगो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मुकाबला निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुआ क्योंकि तेज आंधी-तूफान के कारण खेल को स्थगित करना पड़ा। यह विश्व कप 2026 का दूसरा मैच रहा, जो खराब मौसम से प्रभावित हुआ।

एचपीसीए महिला अंडर-15 टीम और रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी के लिए पांच जुलाई को होंगे ट्रायल

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) द्वारा वर्ष 2026-27 सत्र के लिए गर्ल्स अंडर-15 वनडे कैंप एवं टीम तथा एचपीसीए महिला रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी के चयन के लिए ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। ट्रायल पांच जुलाई को सुबह 10 बजे एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होंगे। चयन के इच्छुक सभी खिलाड़ियों के लिए ट्रायल में शामिल होना अनिवार्य होगा। छुट्टियांव मौसमी आयोजन अंडर-15 टीम के लिए वही खिलाड़ी पात्र होंगी जिनका जन्म एक सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2014 के बीच हुआ हो। वहीं महिला रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी के लिए एक सितंबर 2007 या उसके बाद जन्मी (अंडर-19) खिलाड़ी ट्रायल में भाग ले सकेंगी। दोनों वर्गों में खिलाड़ियों का बोनाफाइड हिमाचली होना आवश्यक है। यदि खिलाड़ी का जन्म हिमाचल प्रदेश से बाहर हुआ है तो उसके पास एक सितंबर 2025 से पहले जारी हिमाचल क्षेत्राधिकार का पासपोर्ट या फिर हिमाचल प्रदेश के मान्यता प्राप्त स्कूल में अध्ययन का प्रमाण होना चाहिए। एचपीसीए ने ट्रायल में शामिल होने वाले खिलाड़ियों के लिए क्यूआर आधारित जन्म प्रमाणपत्र, मैट्रिक प्रमाणपत्र अथवा वर्तमान सत्र का स्कूल प्रमाणपत्र, मूल बोनाफाइड हिमाचली प्रमाणपत्र और आधार कार्ड लाना अनिवार्य किया है। हिमाचल से बाहर जन्मे खिलाड़ियों को पासपोर्ट या स्कूल प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा। एसोसिएशन के महासचिव मनुज शर्मा ने स्पष्ट किया है कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को किसी प्रकार का यात्रा या अन्य भत्ता नहीं दिया जाएगा और ट्रायल के लिए कोई शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।

विंबलडन : करीब चार साल बाद सिंगल्स में लौटीं सेरेना विलियम्स पहले ही दौर में हारीं

एजेंसी

लंदन। दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का लगभग चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर किया गया बहुप्रतीक्षित वापसी मुकाबला हार के साथ समाप्त हुआ। सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना को ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट ने पहले दौर में 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार कोई सिंगल्स मुकाबला खेला। लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने के कारण उनकी कोई मौजूदा सिंगल्स रैंकिंग नहीं थी और उन्हें विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था। हालांकि सेरेना ने अपने पुराने अंदाज में तेज सर्विस और दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया, लेकिन दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी माया जॉइंट ने निर्णायक

मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद जारी बयान में सेरेना ने कहा,विंबलडन में फिर से लौटना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दोबारा यहां खेलूंगी। सेंटर कोर्ट पर उतरना और दर्शकों का समर्थन पाना अविस्मरणीय अनुभव था। मैंने हर पल का आनंद लिया। वहीं जीत के बाद माया जॉइंट ने कहा कि वह इस मुकाबले से पहले पूरी रात सो नहीं सकीं। उन्होंने कहा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि क्या हुआ। सेरेना एक दिग्गज हैं। इस कोर्ट पर खेलने का सपना मैंने बचपन से देखा था और उनके खिलाफ जीतना मेरे लिए अविश्वसनीय है। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने 37-37 अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन जॉइंट ने 40 विनर्स लगाए, जबकि सेरेना केवल 26 विनर्स ही लगा सकीं। यह ऑल इंग्लैंड क्लब में माया जॉइंट की दूसरी उपस्थिति थी और उन्होंने विंबलडन में अपने करियर की पहली जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, सेरेना के नाम विंबलडन में सिंगल्स के 98 मुकाबले जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है। सेरेना अब अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल मुकाबले में हिस्सा लेंगी, जो सप्ताह के अंत में खेला जाएगा।

विंबलडन से स्टेन वावरिंका की भावुक विदाई, पहले दौर में बेरेटिनी से हारकर हुए बाहर

एजेंसी

लंदन। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का विंबलडन सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। 41 वर्षीय स्विस दिग्गज को इटली के मैटियो बेरेटिनी ने रोमांचक मुकाबले में 6-7 (7), 7-6 (16), 7-6 (7), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। करीब चार घंटे 20 मिनट तक चले इस मुकाबले के बाद दर्शकों ने वावरिंका को खड़े होकर तालियां बजाकर विदाई दी। माना जा रहा है कि यह उनके करियर का आखिरी विंबलडन मुकाबला था। वावरिंका ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह 2026 सीजन के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्हें इस बार विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था। स्विस स्टार ने 2014 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपने ग्रैंड स्लैम सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन का

खिताब भी अपने नाम किया। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्होंने तीसरे दौर तक का सफर तय किया था, जबकि फ्रेंच ओपन में पहले दौर में बाहर हो गए थे। मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा,जिस खेल से आप इतना प्यार करते हों, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन मुझे पता है कि अब समय आ गया है। वहीं, इस जीत के साथ 2021 विंबलडन उपविजेता मैटियो बेरेटिनी ने दूसरे दौर में जगह बना ली है, जहां उनका सामना फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा।

बिएल्सा ने उरुग्वे टीम के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

मोंटेवीडियो। मार्सेलो बिएल्सा ने कहा कि वह फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण से उरुग्वे के बाहर होने के बाद टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे देंगे। दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे ग्रुप एच में तीसरे स्थान पर रहा। टीम ने काबो वर्डे और सऊदी अरब के खिलाफ ड्रॉ खेले, जबकि स्पेन से हार का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वह फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 70 वर्षीय अर्जेंटीनी कोच मार्सेलो बिएल्सा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरे लिए यह विदाई बेहद पीड़ादायक है, क्योंकि जब मैंने इस परियोजना की जिम्मेदारी संभाली थी तब मुझमें काफी उम्मीदें थीं। जिस तरह इसका अंत हुआ और इतने लोगों, खासकर खिलाड़ियों ने जो प्रयास किए, उन्हें देखते हुए यह और भी दुखद है।'

उन्होंने आगे कहा, 'जहां तक इस नतीजे की जिम्मेदारी का सवाल है, मुझे लगता है कि यह पूरी तरह मेरी है। हम जिस स्थान पर रहे, उसके लिए मेरे पास कोई बहाना नहीं है। संक्षेप में कहूं तो, मेरे पास उपलब्ध खिलाड़ियों की गुणवत्ता को देखते हुए मैं उनके संसाधनों का सही ढंग से उपयोग नहीं कर सका।' मई 2023 में उरुग्वे के मुख्य कोच बनने के बाद बिएल्सा के मार्गदर्शन में टीम ने 16 मैच जीते, 12 ड्रॉ खेले और आठ मुकाबले गंवाए। उन्होंने मीडिया में आई उन खबरों को भी खारिज किया, जिनमें दावा किया गया था कि खिलाड़ियों के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए थे।

जिम्बाब्वे ने रचा इतिहास, बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हराकर दर्ज की सबसे बड़ी टेस्ट जीत

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे ने हरारे में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में जीत के अंतर के लिहाज से जिम्बाब्वे की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। मेजबान टीम ने मुकाबला तीसरे दिन दूसरे सत्र में ही समाप्त कर दिया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन

जिम्बाब्वे की जीत के नायक तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारवा और न्यूमैन न्यामहुरी रहे। तीनों गेंदबाजों ने मिलकर मैच में कुल 17 विकेट झटके और बांग्लादेश की बल्लेबाजी को दोनों पारियों में पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

पहली पारी में 140 पर सिमटा बांग्लादेश

मैच के पहले दिन जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहली पारी में केवल 140 रन पर समेट दिया। न्यूमैन न्यामहुरी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4/61 विकेट लिए, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी और ब्रैड इवांस ने दो-दो विकेट हासिल किए।

इनोसेंट काइया के शतक से जिम्बाब्वे ने बनाया 410 रन

इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सामूहिक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। इनोसेंट काइया ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ते हुए 140 रन बनाए। उनके अलावा क्रेग एर्विन (60) और

वेस्ली मधेवेरे ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे जिम्बाब्वे ने 410 रन बनाकर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल की।

हालांकि, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7/138 विकेट लिए और टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने के मामले में शाकिब अल हसन (19 बार) की बराबरी कर ली।

दूसरी पारी में भी नहीं चला बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम

230 रन पीछे से तीसरे दिन बल्लेबाजी शुरू करने उतरी बांग्लादेशी टीम शुरुआत से ही दबाव में रही। ब्लेसिंग मुजरबानी ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाते हुए महमूदुल हसन जॉय और मोमिनुल हक को जल्दी आउट कर दिया। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मुशफिकुर रहीम ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन दोनों बड़ी पारी नहीं खेल सके। मुशफिकुर ने टीम की ओर से सर्वाधिक 34 रन बनाए।

मध्यक्रम के बल्लेबाज भी जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। पदार्पण कर रहे अमित हसन और तैजुल इस्लाम ने कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन साझेदारी टूटते ही बांग्लादेश की पारी तेजी से बिखर गई। अंत में बांग्लादेश की दूसरी पारी 185 रन पर सिमट गई और जिम्बाब्वे ने पारी और 85 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। मुजरबानी ने दूसरी पारी में 4 विकेट, जबकि रिचर्ड नगारवा ने 3 विकेट हासिल किए।

संक्षिप्त स्कोर

बांग्लादेशः 140 और 185

(मुशफिकुर रहीम 34; ब्लेसिंग मुजरबानी 4/65, रिचर्ड नगारवा 3/32)

जिम्बाब्वेः 410

(इनोसेंट काइया 140, क्रेग एर्विन 60, वेस्ली मधेवेरे नाबाद; तैजुल इस्लाम 7/138)

परिणामः जिम्बाब्वे ने पारी और 85 रन से जीत दर्ज की।

सरकार ने सीबीडीटी चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ाया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल का कार्यकाल छह माह के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। अग्रवाल का नया कार्यकाल इस साल 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक रहेगा। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि यह पुनर्नियुक्ति संविदा आधार पर की गई है और इसमें भर्ती नियमों में छूट दी गई है। आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। रवि अग्रवाल 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं। उन्हें जून 2024 में सीबीडीटी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे जुलाई 2023 से सीबीडीटी में सदस्य (प्रशासन) के पद पर कार्यरत थे। उनका कार्यकाल जुलाई 2025 से जून 2026 तक एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया था। सीबीडीटी आयकर विभाग की शीर्ष नीति निर्धारण संस्था है, जो प्रत्यक्ष कर कानूनों का प्रशासन, कर नीति निर्माण, अनुपालन को मजबूत करने और करदाताओं की सेवाओं में सुधार की जिम्मेदारी निभाती है। बोर्ड का नेतृत्व अध्यक्ष करते हैं और इसमें विशेष सचिव स्तर तक के छह सदस्य हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाला यह बोर्ड प्रत्यक्ष कर संग्रहण और नीतिगत सुधारों के लिए जिम्मेदार है।

क्रैटिकल टेक का आईपीओ खुला, पहले दिन ही फुली सब्सक्राइब हुआ पब्लिक इश्यू

नई दिल्ली। साइबर सिक्योरिटी के फील्ड में काम करने वाली कंपनी क्रैटिकल टेक लिमिटेड का 39.69 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 02 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 03 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 06 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 07 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर तीन बजे तक ये आईपीओ 1.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। छुट्टियांव मौसमी आयोजन इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 128 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,70,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 29.40 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

सीमैक्स रिसोर्सेज के आईपीओ को मिला जोरदार रिस्पॉन्स, दोपहर 12 बजे तक ही हुआ फुली सब्सक्राइब

नई दिल्ली। मटेरियल मूवमेंट और वेयरहाउस ऑपरेशन के काम में लगी सीमैक्स रिसोर्सेज लिमिटेड का 19.74 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 02 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 03 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 06 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 07 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। दोपहर बारह बजे तक ये आईपीओ फुली सब्सक्राइब हो चुका था। फिलहाल दोपहर 2:50 बजे तक ये आईपीओ 1.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। छुट्टियांव मौसमी आयोजन इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 134 रुपये से लेकर 141 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,82,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 14 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

तेजा इंजीनियरिंग का आईपीओ खुला, 7 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। ऑयल एंड गैस सेक्टर के लिए सर्विस देने वाली कंपनी तेजा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज का 37.36 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में दो जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद तीन जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि छह जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर तीन बजे तक ये आईपीओ सिर्फ एक प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। छुट्टियांव मौसमी आयोजन इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 220 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,64,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 16.98 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए और डीजल में 3 रुपए की कटौती का किया ऐलान

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन वितरक कंपनी नायरा एनर्जी ने बुधवार को पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3 रुपए रुपए प्रति लीटर की कटौती का ऐलान किया है। यह कटौती कंपनी के देशभर में मौजूद रिटेल नेटवर्क पर तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस कटौती की वजह मध्य पूर्व में तनाव कम होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट होना है। हालांकि, वैल्यू-एडेड टैक्स (वेट) और स्थानीय टैक्स के चलते रिटेल ईंधन की कीमतें राज्य-दर-राज्य अलग-अलग हो सकती हैं। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध को लेकर शांति वार्ता होने से मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव कम हो गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई है।

ब्रेंट क्रूड का दाम पिछले एक महीने में करीब 23 प्रतिशत कम हो गया है, मौजूदा समय में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 73.21 डॉलर प्रति बैरल पर है।

वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में भी बीते एक महीने में करीब 25 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखी गई है। इससे डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स का दाम घटकर 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे 69.73 डॉलर प्रति बैरल पर गया है।

हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दिल्ली में पेट्रोल का दाम 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपए प्रति लीटर बनी हुई है।

इसके अतिरिक्त, तेल वितरक कंपनियों ने एक जुलाई से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम 183.50 रुपए घटकर 2,930 रुपए हो गया है, जो कि पहले 3,113.50 रुपए था। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उसे 942 रुपए पर स्थिर रखा गया है।

उतार चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 707 अंक तक लुढ़का

एजेंसी
नई दिल्ली। आईटी सेक्टर में हुई जोरदार बिकवाली और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में आई तेजी की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज मजबूत शुरुआत करने के बावजूद कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज पूरे दिन के कारोबार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान चलती रही, जिसके कारण बाजार की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 2.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा बैंकिंग, एफएमसीजी, मीडिया और मेटल इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी, ऑटोमोबाइल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस तथा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉलकैप शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई।

उज्जैन अब लिख रहा औद्योगिक विस्तार की नई इबारतः मुख्यमंत्री मोहन यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उज्जैन जो पहले से ही धार्मिक नगरी के रूप में पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, अब औद्योगिक विस्तार की भी नई इबारत भी लिख रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी के ग्राम नरवर स्थित 1266 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पेप्सिको के देश के दूसरे फ्लेवर कंसनट्रेट निर्माण संयंत्र के लोकार्पण समारोह को भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह अत्यंत गौरवशाली क्षण है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से मध्य प्रदेश ग्लोबल निवेश का हब बन रहा है। औद्योगिक विस्तारीकरण से प्रदेश के कई युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के शासन काल में उज्जैन नगरी विश्व के सबसे समृद्ध और सम्पन्न व्यापारिक नगरों में गिनी जाती थी। हमारा लक्ष्य है कि उज्जैन नगरी उसी वैभव को पुनः प्राप्त करें। आस्था के साथ उज्जैन उद्योग निवेश और रोजगार का भी अग्रणी केंद्र बनें।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उद्योग स्थापित कर मालवा की प्रगति को निरंतर गति दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए सशक्त उद्यमी समृद्ध मध्यप्रदेश का सफल आयोजन किया जा रहा है।

देश का फ्लेवर कंसनट्रेट का दूसरा संयंत्र उज्जैन में हुआ प्रारंभ

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड की इस अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई का शुभारंभ होने पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारत में इस विशिष्ट और उच्च तकनीकी फ्लेवर कंसनट्रेट निर्माण के केवल 02 संयंत्र है, जिनमें से एक आज से उज्जैन में प्रारंभ हो रहा है। विक्रम उद्योगपुरी में 22 एकड़ क्षेत्र में 1226 करोड़ रुपये के निवेश से इस संयंत्र की स्थापना की गई है। पूरी तरह ऑटोमेशन पर आधारित इस संयंत्र से 800 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। यह नया संयंत्र भारत में कंपनी की विनिर्माण क्षमता को और मजबूत करेगा। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने के साथ क्षेत्र में सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पेप्सिको इंडिया और साउथ एशिया के सीईओ जागृत कोटेचा ने कहा कि हमारे लिए यह अत्यंत हर्ष का क्षण है कि हमारी कंपनी को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में मप्र शासन के सहयोग से संयंत्र स्थापित करने का अवसर मिला।

एसबीआई के 71 वर्ष पूरे, करोड़ों ग्राहकों के भरोसे के साथ वित्तीय समावेशन में निभा रहा अहम भूमिका

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय बैंकिंग इतिहास में 1 जुलाई काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) स्थापित हुआ था। 1955 या 71 वर्ष पहले बना यह बैंक आज केवल एक वित्तीय संस्थान नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति, वित्तीय समावेशन और डिजिटल बैंकिंग क्रांति का सबसे मजबूत स्तंभ बन चुका है। एसबीआई का इतिहास आजादी से भी पहले शुरू होता है। इसकी जड़ें वर्ष 1806 में स्थापित बैंक ऑफ कलकत्ता से जुड़ी हैं। बाद में इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया के रूप में विकसित हुए इस संस्थान का 1 जुलाई 1955 को राष्ट्रीयकरण कर भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना की गई। उस समय सरकार का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना और विकास की मुख्यधारा से आम नागरिक को जोड़ना था। सात दशक बाद यह लक्ष्य काफी हद तक साकार होता दिखाई देता है। वर्तमान में एसबीआई देश के सबसे बड़े बैंकिंग नेटवर्क का संचालन करता है और इसके के पास 23,270 शाखाएं और 63,580 से अधिक एटीएम एवं एडीडब्ल्यूएम हैं। वहीं, 50 करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ, इसका एसेट बेस 61 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। देश के आर्थिक विकास में एसबीआई का योगदान केवल बैंकिंग तक सीमित नहीं रहा। कृषि, एमएसएमई, इंफ्रास्ट्रक्चर, आवास, शिक्षा और कॉरपोरेट सेक्टर को वित्तपोषण उपलब्ध कराने में बैंक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वहीं जन धन योजना, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), अटल पेंशन योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सरकारी सब्सिडी के वितरण में भी एसबीआई ने बड़ी भूमिका निभाई है। वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में बैंक ने करोड़ों ऐसे लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा, जो पहले इससे वंचित थे। डिजिटल बैंकिंग के दौर में भी एसबीआई ने खुद को तेजी से बदला है। इसके योनो प्लेटफॉर्म ने बैंकिंग, निवेश, बीमा, शॉपिंग और वित्तीय सेवाओं को एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराकर ग्राहकों के अनुभव को नई दिशा दी। एआई, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल भुगतान जैसी नई तकनीकों को अपनाने के साथ बैंक भविष्य की बैंकिंग के लिए भी खुद को तैयार कर रहा है। हालांकि, एसबीआई के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। निजी बैंकों और फिनटेक कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा, साइबर सुरक्षा, डिजिटल धोखाधड़ी की रोकथाम और लगातार बदलती ग्राहक अपेक्षाएं बैंक के लिए नई परीक्षा हैं।

ट्राई के मोबाइल नेटवर्क टेस्ट में सतारा में जियो अव्वल, बीएसएनएल में सबसे अधिक कॉल ड्रॉप

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के महाराष्ट्र के सतारा जिले में किए गए मोबाइल नेटवर्क टेस्ट में रिलायंस जियो का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। टेस्ट के दौरान जियो ने डाउनलोड स्पीड, कवरेज और कॉल गुणवत्ता के अधिकांश मानकों पर अन्य कंपनियों को पीछे छोड़ा, जबकि बीएसएनएल में सबसे अधिक कॉल ड्रॉप और सबसे ज्यादा कवरेज गैप दर्ज किया गया। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि ट्राई ने यह मोबाइल नेटवर्क टेस्ट 10 से 13 मार्च के बीच सतारा जिले में कराया था। इसके तहत 535.5 किलोमीटर सिटी रूट, 103.3 किलोमीटर हाईवे रूट, 15 प्रमुख हॉटस्पॉट और 9.8 किलोमीटर वॉक टेस्ट क्षेत्र में मोबाइल सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन किया गया। परीक्षण के दौरान एयरटेल, बीएसएनएल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया (वीआई) के नेटवर्क का मूल्यांकन किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, सिटी और आसपास के क्षेत्रों में कवरेज गैप के मामले में जियो में 57,826 सैंपलों में से 3,467 सैंपल कमजोर सिग्नल वाले पाए गए। एयरटेल में 4,033, वीआई में 4,191 और बीएसएनएल में 16,393 सैंपल कमजोर सिग्नल वाले दर्ज किए गए। इससे स्पष्ट है कि बीएसएनएल का कवरेज अन्य कंपनियों की तुलना में काफी कमजोर रहा। कॉल ड्रॉप के मामले में भी बीएसएनएल सबसे पीछे रहा।

बीएसएनएल में 493 सफल कॉल में से 38 कॉल ड्रॉप हुईं। एयरटेल में 515 में से पांच, जियो में 524 में से छह और वीआई में 521 में से तीन कॉल ड्रॉप दर्ज की गईं। डेटा डाउनलोड स्पीड में जियो ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। सिटी और आसपास के क्षेत्रों में जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 176.95 एमबीपीएस रही। एयरटेल की डाउनलोड स्पीड 113.79 एमबीपीएस, वीआई की 46.86 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 5.66 एमबीपीएस दर्ज की गई।

अपलोड स्पीड के मामले में भी जियो 19.81 एमबीपीएस के साथ पहले स्थान पर रहा। एयरटेल की औसत अपलोड स्पीड 19.33 एमबीपीएस, वीआई की 12.92 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 2.14 एमबीपीएस रही। पुणे-सतारा हाइवे रूट पर भी जियो का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। यहां जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 261.99 एमबीपीएस दर्ज की गई, जबकि एयरटेल की 113.12 एमबीपीएस, वीआई की 25.88 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 8.73 एमबीपीएस रही।

183.50 रुपये तक सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

एजेंसी
नई दिल्ली। जुलाई के पहले दिन देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वजन वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती कर दी है। इस कटौती के बाद आज से देश के अलग-अलग राज्यों में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 174 रुपये से लेकर 183.50 रुपये तक सस्ता हो गया है। कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में सबसे अधिक 183.50 रुपये की कटौती दिल्ली में की गई है, जबकि कोलकाता में सबसे कम 174 रुपये की कटौती हुई है।गैस सिलेंडर के सस्ता होने से रेस्टोरेंट, ढाबा या कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल श्रेणी के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। एलपीजी गैस की कीमत में यह कटौती सिर्फ कमर्शियल श्रेणी वाले सिलेंडर में ही की गई है। घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर (रसोई गैस) के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।ऑयल मार्केटिंग कंपनी के अनुसार, कीमत में की गई कटौती के बाद दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 183.50 रुपये सस्ता होकर 3,113.50 रुपये की जगह 2,930 रुपये के भाव पर मिलने लगा है। इसी तरह मुंबई में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 182 रुपये सस्ता होकर 2,885.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है। कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 174 रुपये की कटौती हुई है। कोलकाता में आज से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 3,081.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 177 रुपये सस्ता होकर 3,106 रुपये के स्तर पर आ गया है। दिल्ली से सटे एनसीआर रीजन की बात करें तो नोएडा में कमर्शियल गैस सिलेंडर 183.50 रुपये सस्ता होकर 2,930 रुपये की कीमत पर मिल रहा है, जबकि गुरुग्राम में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 182.50 रुपये सस्ता होकर 2,947.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है।

मप्र के शिवपुरी जिले को मिलेगी 2500 करोड़ के निवेश की डिफेंस फैक्टरी की सौगात

एजेंसी
शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 5 जुलाई को शिवपुरी जिले के भ्रमण पर रहेंगे। इस प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान शिवपुरी जिले को 2500 करोड़ रुपये के निवेश की डिफेंस फैक्टरी की सौगात मिलेगी। यह जानकारी प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी जिले में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया और मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक में दी। उन्होंने बताया कि यह भव्य कार्यक्रम पोलो ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। प्रभारी मंत्री तोमर ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और

आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की जाए। सभी अपने दायित्वों का निर्वहन करें और जिले में एक सफल आयोजन संपन्न किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए पूरी योजना बनाकर काम किया जाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हितग्राही और जिले के आमजन मौजूद रहेंगे। इसलिए रूट चार्ट तैयार किए जाएं और पार्किंग व्यवस्था बेहतर रहे ताकि कोई अव्यवस्था न हो। तोमर ने कहा कि जिले में यह एक बड़ा आयोजन है, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन में जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधिगण समन्वय के साथ तैयारियां पूर्ण करें। बैठक में विधायकगण महेन्द्र यादव व कैलाश कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, हरवीर रघुवंशी, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा, पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया, जिला पंचायत सीईओ विजय राज, अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव मूले सहित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी
मुंबई। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,090 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ अथर्व पॉलीप्लास्ट का आईपीओ, 7 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी
नई दिल्ली। प्लास्टिक कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी अथर्व पॉलीप्लास्ट लिमिटेड का 27 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में दो जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद तीन जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि छह जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 2:55 बजे तक ये आईपीओ 89 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। छुट्टियांव मौसमी आयोजन इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 55 रुपये से लेकर 60 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 45 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.33 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.38 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.27 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

पिछले 10 वर्षों में 2.7 करोड़ किसानों को मिला लाभ, पीएमकेएसवाई से 2.46 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में बढ़ी सिंचाई क्षमता

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) ने पिछले एक दशक में देश में सिंचाई आधारित कृषि परिवर्तन को नई दिशा दी है। केंद्र सरकार ने बताया कि वर्ष 2016-17 से अब तक योजना के तहत 2.7 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिला है और 2.46 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का सृजन या पुनर्स्थापन किया गया है। इस अवधि में योजना के लिए 64,407 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराई गई। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार, एक जुलाई 2015 को शुरू की गई प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का उद्देश्य प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाना, जल उपयोग दक्षता बढ़ाना तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। योजना के तहत वर्षा जल संचयन, सूक्ष्म सिंचाई और खेत स्तर पर जल प्रबंधन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में पीएमकेएसवाई के लिए 6,587 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए योजना को 93,068.56 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के

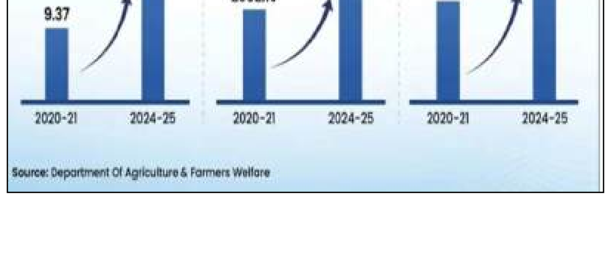

साथ जारी रखा गया है। योजना के तहत त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) प्रमुख घटक के रूप में उभरा है। वर्ष 2016-17 से अब तक इस मद में 21,023 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता दी गई, जिससे 1.73 करोड़ किसानों को लाभ मिला। वहीं, जलागम विकास कार्यक्रम के तहत 12,432 करोड़ रुपये की सहायता से 13.4 लाख किसानों को फायदा पहुंचा है। 'हर खेत को पानी' घटक के तहत अब तक 3,462 लघु सिंचाई तथा जलाशयों की मरम्मत एवं पुनरुद्धार परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। इससे 5.93 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। भूजल आधारित हस्तक्षेपों से अतिरिक्त 88,550 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिली है। मंत्रालय के अनुसार, 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' (पीडीएमसी) घटक के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया गया है। योजना की शुरुआत से अब तक 110.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया जा चुका है, जो देश के कुल शुद्ध बोए गए क्षेत्र का लगभग 8 प्रतिशत है। छोटे और सीमांत किसानों को सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली लगाने के लिए 55 प्रतिशत तक तथा अन्य किसानों को 45 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाती है। मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के किसानों उमा शंकर वर्मा और सुभाष वर्मा का उदाहरण देते हुए बताया कि वर्ष 2016 में स्प्रिंकलर सिंचाई अपनाने के बाद उनकी फसल उत्पादकता में 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। पानी, बिजली, श्रम और उर्वरकों की खपत लगभग 50 प्रतिशत कम हुई तथा प्रति हेक्टेयर 60 से 70 हजार रुपये तक का लाभ प्राप्त हुआ।

फरवरी से अब तक 800 नागरिकों की पाकिस्तानी हवाई हमलों में गई जान

एजेंसी

काबुल । पिछले पांच महीनों में पाकिस्तानी हवाई हमलों में अफगानिस्तान के 800 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और बड़ी तादाद में आम अफगानी घायल हुए हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में इन हमलों से हुए नुकसान का लेखा जोखा सामने रखा गया है। अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ये हमले अफगानिस्तान के कई प्रांतों, खोस्त, पक्तिया, पक्तिका, कुनार, काबुल, नंगरहार और कंधार में किए गए, जिनका सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को हुआ है। इन हमलों में नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया, जिनमें लोगों के आवास, अस्पताल, स्कूल और विश्वविद्यालय शामिल हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक अख्तर मोहम्मद रसिख ने टोलो न्यूज से कहा, 'पाकिस्तान की सेना, खुफिया एजेंसियां और राजनीतिक नेतृत्व अफगानिस्तान को अस्थिर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसका परिणाम अफगानों की मौत, देश में असुरक्षा, अफगानिस्तान को पाकिस्तान का प्रभाव क्षेत्र बनाने और डूरंड लाइन को आधिकारिक सीमा के रूप में स्थापित करने की कोशिश है। ' रिपोर्ट में इस वर्ष हुई कई बड़ी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें 21 फरवरी को पक्तिका, नंगरहार और खोस्त में हुए हवाई हमलों में 18 लोगों की मौत हुई, जिनमें 11 बच्चे शामिल थे। इसके अलावा, 16 मार्च को काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुए हमले में 400 से अधिक लोगों की मौत और 260 से अधिक लोगों के घायल होने का दावा किया गया है।

ट्रम्प ने समाजवाद को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समाजवाद को संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने मौजूद सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने न्यूयॉर्क के मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी की कड़ी आलोचना करते हुए तीखी भाषा का इस्तेमाल किया और चेतावनी दी कि देश उस दिशा में जा सकता है, जिसे उन्होंने 'कम्युनिज्म' (साम्यवाद) बताया। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से न्यूयॉर्क के मेयर पद के उम्मीदवार ज़ोहरान ममदानी के हालिया बयान पर सवाल पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह समाजवादी उम्मीदवारों के लिए 'पोस्टर चाइल्ड' बनने को तैयार हैं। इस पर ट्रम्प ने कहा कि यह मुद्दा केवल समाजवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं बड़ा वैचारिक बदलाव है। ट्रम्प ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारे देश के लिए एक बड़ा खतरा है, वास्तव में, क्योंकि यह समाजवाद नहीं है, यह असल में साम्यवाद (कम्युनिज्म) है। ' उन्होंने आगे कहा, 'वे 'सोशल डेमोक्रेट' शब्द का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि यह सुनने में अच्छा लगता है, लेकिन असल में आप साम्यवाद की बात कर रहे हैं। ' राष्ट्रपति ने इसे देश के सामने सबसे गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारे राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है, शायद हमारे देश की स्थापना के बाद से अब तक का सबसे बड़ा खतरा। '

ट्रम्प ने 'राइट टू रिपेयर' आदेश पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक राष्ट्रपति ज्ञापन (प्रेसिडेंशियल मेमोरेन्डम) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य वाहन मरम्मत को सस्ता और आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को अपनी कारों की मरम्मत खुद करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, बिना अनावश्यक सरकारी प्रतिबंधों या बढ़ी हुई लागतों का सामना किए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा हस्ताक्षरित एक राष्ट्रपति ज्ञापन (प्रेसिडेंशियल मेमोरेन्डम) के तहत अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) को निर्देश दिया गया है कि वह वाहन मालिकों को अपनी गाड़ियाँ स्वयं ठीक करने के अधिकार को बढ़ावा दे और आफ्टरमार्केट पार्ट्स उद्योग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करे। इस पहल का उद्देश्य वाहन रखरखाव और मरम्मत की लागत को कम करना बताया गया है। ट्रम्प ने हस्ताक्षर से पहले कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है, इससे आपकी कार की कीमत कम होगी। आपकी कार को ठीक कराने की लागत भी कम होगी। यह वहनीयता से जुड़ा मुद्दा है। 'उन्होंने कहा कि यह मुद्दा तब उनके सामने आया जब उन्हें पता चला कि लोग अपनी गाड़ियों की मरम्मत करने पर सरकारी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

भारत और थाईलैंड ने रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने को लेकर की चर्चा

बैंकॉक । भारत और थाईलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाकर अपनी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच हुई इस बैठक का नेतृत्व थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ और भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल ने किया। पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बैंकॉक दौरे के दौरान भारत और थाईलैंड ने अपने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था। मार्च की शुरुआत में पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री चुने जाने पर अनुतिन चर्नविराकुल को बधाई दी थी और उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम अनुतिन चर्नविराकुल के लिए बधाई संदेश में लिखा, 'अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड स्राज्य के प्रधानमंत्री चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई।

अफगानिस्तान का दावा, 'पाकिस्तान स्थित ISIS ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक'

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कथित आईएसआईएस (दाएश) से जुड़े ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंगलवार रात ये हमले पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थित उन ठिकानों पर किए गए, जहां से कथित तौर पर अफगानिस्तान के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की योजना बनाई जा रही थी। मंत्रालय के अनुसार, बलूचिस्तान के पिशिन जिले के सरानन क्षेत्र स्थित एक संयुक्त आईएसआईएस केंद्र को निशाना बनाया गया। बयान में कहा गया कि यह अफगानिस्तान के नागरिकों के खिलाफ बम धमाकों और आतंकी गतिविधियों के संचालन एवं समन्वय का प्रमुख केंद्र था। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के कंबर खेल क्षेत्र में एक अन्य दाएश केंद्र पर भी सफल हवाई हमला किया गया। वहीं, चित्राल के शाह सलीम घाटी के गरम चश्मा क्षेत्र में स्थित एक संयुक्त दाएश ठिकाने और उससे जुड़े तत्वों को भी निशाना बनाया गया। मंत्रालय का दावा है कि इन केंद्रों से नागरिकों पर हमलों और अन्य विध्वंसक गतिविधियों की योजना बनाई जा रही थी। रक्षा मंत्रालय ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर कहा कि इन हमलों में आईएसआईएस और उसके समर्थकों को भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय का यह भी दावा है कि हमले पूरी सटीकता के साथ केवल निर्धारित सैन्य लक्ष्यों पर किए गए और इनमें किसी भी नागरिक की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी ठिकाने को भविष्य में भी निशाना बनाया जाएगा। इस बीच पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार रात ड्रोन को मार गिराने की पुष्टि की। दावा किया कि अफगानिस्तान की सीमा से बलूचिस्तान में चार साधारण (रुडिमेंटरी) ड्रोन भेजे गए, जिन्हें पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पहचानकर मार गिराया।

सेना के जनसंपर्क विभाग (आईएसपीआर) के अनुसार, ये ड्रोन अफगान तालिबान शासन की ओर से उन आतंकी संगठनों को समर्थन और संरक्षण देने की नीति का हिस्सा थे, जो अफगानिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों से सक्रिय हैं। वहीं मंगलवार देर रात पेशावर के बाहरी क्षेत्र में भी संदिग्ध ड्रोन हमले की खबर है। प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, इस हमले में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब कुछ दिन पहले पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किए गए।

अब वैश्विक आधारस्तंभ बन चुका है भारत : विनय क्वात्रा

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि भारत सिर्फ एक जरूरी वैश्विक साझेदार से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर का जरूरी आधारस्तंभ बन गया है, जो लगातार आर्थिक विकास, भरोसेमंद साझेदारी और तकनीकी बदलाव से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी फोरम (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट में भारतीय राजदूत क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक तरक्की ने देश को भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच एक स्थिर भूमिका निभाने की स्थिति में ला दिया है। इसके साथ ही व्यापार, तकनीक और रणनीतिक क्षेत्र में अमेरिका जैसे साझेदारों के साथ सहयोग को मजबूत किया है। भारतीय राजदूत क्वात्रा ने कहा, 'मैं आपकी बात को थोड़ा अलग तरीके से कहूंगा। मैं कहूंगा कि जिस तरह की चुनौतियों और मुश्किलों का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी का भारत सिर्फ एक जरूरी स्तंभ नहीं है। मुझे लगता है कि यह ग्लोबल ऑर्डर, आर्थिक विकास, स्थिरता, भरोसे और विश्वसनीयता का एक जरूरी सहारा है। 'उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका तीन वजहों से तय हुई है: तेजी से बदलती घरेलू अर्थव्यवस्था, लगातार अनिश्चित होता भू-राजनीतिक माहौल और स्ट्रक्चरल सुधार जिन्होंने देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का आत्मनिर्भर भारत का विजन अपने अंदर की तरफ देखने वाला नहीं है, बल्कि इसे दुनिया भर में मुकाबला करने वाली मैन्युफैक्चरिंग और मजबूत सप्लाई चेन बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक महत्वपूर्ण : जापानी प्रधानमंत्री ताकाइची

एजेंसी

टोक्यो । भारत रवाना होने से पहले आयोजित एक प्रेस वार्ता में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत के साथ सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देश साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और रणनीतिक हितों के आधार पर मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। जापानी कैबिनेट के जनसंपर्क अधिकारी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी। पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय स्थिति में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच, भारत के साथ सहयोग का महत्व पहले से कहीं अधिक हो गया है। भारत और जापान मौलिक मूल्यों तथा रणनीतिक हितों को साझा करते हैं और यही हमारी साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत है।' उन्होंने बताया कि इस यात्रा में जापान के कारोबारी जगत के 150 से अधिक प्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं। उनका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र (पब्लिक-प्राइवेट

पार्टनरशिप) के सहयोग के माध्यम से भारत-जापान संबंधों का दायरा और व्यापक बनाना है।

जापानी प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि निवेश, व्यापार, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

ताकाइची ने विश्वास जताया कि भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को नई गति मिलेगी तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की संयुक्त भागीदारी के जरिए एक मजबूत और टिकाऊ आर्थिक साझेदारी का निर्माण होगा।

जापान की प्रधानमंत्री बुधवार को तीन दिन के दौरे पर भारत आ रही हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग उच्च स्तरीय वार्ता भी प्रस्तावित है। दोनों नेता 16वें भारत-जापान सलाना शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान व्यापार, निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमोबाइल, सप्लाई चेन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

शावर में ड्रोन हमला, महिला की मौत और छह घायल

एजेंसी

पेशावर । पाकिस्तान के पेशावर के बाहरी इलाके में संदिग्ध ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए। घटना मंगलवार देर रात को हसन खेल सब-डिवीजन के पस्तावाना इलाके की है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉन ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि, घायल सातों लोग एक ही परिवार से थे। शुरुआती जानकारी में बताया गया था कि एक महिला की हालत बेहद गंभीर थी। बाद में स्थानीय लोगों ने बताया कि शेर मस्त और उनका 15 वर्षीय बेटा अब भी पेशावर के लेडी रीडिंग अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हसन खेल के एक स्थानीय बुजुर्ग ने पुष्टि की कि शेर मस्त की बहू ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन हमला किसने किया और इसका उद्देश्य क्या था। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि अप्रैल में भी हसन खेल उपखंड के चंदोका इलाके में एक संदिग्ध ड्रोन हमले से एक मस्जिद को मामूली नुकसान पहुंचा था, हालांकि उस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था। चंदोका क्षेत्र

पेशावर और कोहाट की सीमा पर स्थित है। इस बीच, पाकिस्तान सेना ने दावा किया कि अफगानिस्तान की सीमा से बलूचिस्तान में चार साधारण (रुडिमेंटरी) ड्रोन 22 भेजे गए, जिन्हें पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पहचानकर मार गिराया। सेना के जनसंपर्क विभाग (आईएसपीआर) के अनुसार, ये ड्रोन अफगान तालिबान शासन की ओर से उन आतंकी संगठनों को समर्थन और संरक्षण देने की नीति का हिस्सा थे, जो अफगानिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों से सक्रिय हैं।

आईएसपीआर ने कहा कि एयर डिफेंस प्रणाली ने इन सभी ड्रोन का तुरंत पता लगा लिया। सुरक्षा बलों ने अत्याधुनिक तकनीक और जवाबी उपायों के जरिए चारों ड्रोन को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। सेना के अनुसार, त्वरित कार्रवाई के कारण किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ और सभी प्रयास विफल कर दिए गए। पाकिस्तानी सेना ने आरोप लगाया कि अफगान तालिबान शासन की ऐसी गतिविधियां अपने ही नागरिकों का ध्यान भटकाने की कोशिश हैं। आईएसपीआर ने कहा कि इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना रवैया अफगान जनता की परेशानियों को और बढ़ाता है।

एमओयू की शर्तें पूरी न होने तक अमेरिका के साथ अंतिम समझौता नहीं करेगा ईरान : स्पीकर कालीबाफ

एजेंसी

तेहरान। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने अमेरिका के साथ हुए शांति समझौते पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षरित शांति समझौता ज्ञापन के कुछ प्रावधान लागू नहीं किए जाते, तब तक ईरान अंतिम समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत शुरू नहीं करेगा। स्पीकर मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। उन्होंने शांति समझौते को लागू करने और अमेरिका के साथ बातचीत से जुड़े हालिया घटनाक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईरान प्रतिनिधिमंडल की हालिया स्विट्जरलैंड यात्रा का उद्देश्य लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने, अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने, होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने, ईरानी कच्चे तेल के निर्यात के लिए अमेरिकी छूट जारी करने और ईरान की फ्रीज की गई

संपत्ति को जारी करने से जुड़े एमओयू (समझौता ज्ञापन) की शर्तों को लागू करना था।

कालिबाफ ने कहा कि जब तक इन पांच शुरुआती प्रावधानों की शर्तें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक बाकी प्रावधानों को लागू करने का काम शुरू नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि ईरान, अमेरिका और लेबनान युद्धविराम लागू करने, लेबनान में युद्ध खत्म करने और लेबनान की संप्रभुता बनाए रखने के लिए एक संयुक्त समिति बनाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तीन पक्षों में से दो, ईरान और अमेरिका ने पहले ही अपने प्रतिनिधि चुन लिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत का रास्ता भी अपनाता है और जहां जरूरी हो, वहां बलपूर्वक जवाब भी देता है।इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोहा में होने वाली अगली वार्ता से पहले ईरान परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत हो गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका कूटनीतिक और सैन्य, दोनों स्तरों पर प्रगति कर रहा है और साथ ही कहा कि तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अधिकारी 22 प्रस्तावित वार्ता के लिए पहले ही कतर रवाना हो चुके हैं। ट्रंप ने कहा, 'दोहा में इस बारे में एक बैठक होगी। देखते हैं कि वह कैसी रहती है। दोहा की बैठक शायद अहम हो, या शायद न हो। यह हमें पता चल जाएगा। '

चीन का मुकाबला करने में भारत की भूमिका अहम : सीनेटर डेन्स

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स ने कहा है कि अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हुए भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जो चीन के इनोवेशन इकोसिस्टम के आकार और पैमाने की बराबरी कर सकता है। उन्होंने भारत-अमेरिका साझेदारी को न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण बताया। मोंटाना के रिपब्लिकन सीनेटर डेन्स ने वाशिंगटन में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट में ये बातें कहीं। इस समिट में उन्हें दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने के उनके काम के लिए यूएसआईएसपीएफ पब्लिक सर्विस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सीनेटर मार्क वार्नर, जिन्हें भी यह अवॉर्ड मिला, खुद वहां मौजूद नहीं रह सके। फेडेक्स के प्रेसिडेंट और सीईओ राज सुब्रमण्यम के साथ बातचीत के दौरान डेन्स ने कहा, 'अमेरिका और भारत के बीच जो रिश्ते हैं, वे सिर्फ हमारे दोनों देशों के लिए ही अहम नहीं हैं। मुझे लगता है कि ये दुनिया के लिए भी अहम हैं। ' डेन्स ने कहा कि चीन से मिल रही चुनौती से निपटने के दौरान वाशिंगटन को भारत की भूमिका के बारे में और अधिक रणनीतिक तौर पर सोचने की जरूरत है।उन्होंने कहा, 'जब हम चीन के साथ चल रही स्थितियों के बारे में सोचते हैं, तो हमें एक ऐसे भरोसेमंद साथी की जरूरत होती है जो उसका मुकाबला कर सके। ' उन्होंने भारत और चीन के प्रति अपने नजरिए में साफ फर्क बताते हुए कहा, 'जब मैं चीन जाता हूं, तो यह फोन मेरे साथ बीजिंग नहीं जाता। यह वाशिंगटन डीसी में मेरी डेस्क पर ही रहता है। जब मैं दिल्ली या भारत में कहीं भी जाता हूं, तो यह मेरे साथ होता है। ' डेन्स ने कहा कि अमेरिका चीन से पूरी तरह अलग नहीं हो सकता, लेकिन उसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारी बनाते हुए जोखिम कम करने की जरूरत है।

यूएनईपी बैठक में भारत की दो टूक: प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए संतुलित और न्यायपूर्ण नीति जरूरी

एजेंसी

नैरोबी। यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम (यूएनईपी) में भारत के स्थायी प्रतिनिधि आदर्श स्वैका ने नैरोबी में इनफॉर्मल हेड्स ऑफ डेलीगेशन्स (एचओडी) की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। यह बैठक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएटिंग कमेटी (आईएनसी) के अगले सत्र से पहले हुई। नैरोबी स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्?स' पर लिखा कि स्वैका ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की ओर से कई अहम सिद्धांतों को सामने रखा और कहा कि भारत एक संतुलित और प्रभावी समझौते के लिए रचनात्मक तरीके से बातचीत करने को तैयार है। भारत ने जिन प्रमुख बातों पर जोर दिया, उनमें शामिल हैं कि सभी फैसले सहमति से लिए जाने चाहिए ताकि सभी देशों की भागीदारी और जिम्मेदारी बनी रहे। साथ ही, इस समझौते का दायरा सिर्फ प्लास्टिक प्रदूषण तक सीमित होना चाहिए, जैसा कि यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट असेंबली (यूएनईए) के प्रस्ताव 5/14 में तय किया गया है। इसमें दूसरे अंतरराष्ट्रीय समझौतों, खासकर विश्व व्यापार संगठन (डब?ल्?यूटीओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब?ल्?यूएचओ) से जुड़े मुद्दों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। स्वैका ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया सदस्य देशों के नेतृत्व में चलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राइमरी पॉलीमर (प्?लास्?टि?क बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल) के उत्पादन पर कोई सीमा या रोक नहीं लगाई जानी चाहिए, ताकि विकास के अधिकार की रक्षा हो सके।

उन्होंने बताया कि इस समझौते को लागू करने की जिम्मेदारी हर देश की अपनी परिस्थितियों के हिसाब से तय होनी चाहिए। इसमें रियो सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, जिसमें 'साझी लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों' का सिद्धांत भी शामिल है।

भारतीय उच्चायोग ने कहा कि विकासशील देशों को जरूरी सहायता उपलब्ध कराना बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें एक अलग बहुपक्षीय फंड की व्यवस्था और ऐसी प्रक्रिया शामिल होनी चाहिए जो निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी को साथ लेकर चलने वाली हो, और जो हर देश की स्थिति और क्षमता को ध्यान में रखे।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सेशेल्स की नेशनल असेंबली में अपने विशेष संबोधन के दौरान जलवायु न्याय में निष्पक्षता और समानता के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखा था। यह संबोधन उनके सेशेल्स के आधिकारिक दौरे के दौरान हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ (विकासशील देश) और द्वीपीय देश जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की दिशा में तेजी, यूएसआईएसपीएफ ने जताया भरोसा

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत ने उल्लेखनीय गति पकड़ ली है। यह जानकारी उस समय सामने आई, जब वाशिंगटन में आयोजित संगठन के नौवें वार्षिक लीडरशिप समिट के दौरान वरिष्ठ उद्योगपतियों ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) राजदूत जैमीसन ग्रीर के साथ बंद कमरे में एक गोलमेज बैठक की। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) की गोलमेज बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) राजदूत जैमीसन ग्रीर पिछले सप्ताह ही भारत दौरे से लौटे हैं, जहां उन्होंने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ व्यापार वार्ता की थी। बैठक में 6 फरवरी, 2026 को जारी संयुक्त बयान के अनुरूप भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते और एक अंतरिम समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। यूएसआईएसपीएफ ने बताया कि उसके बोर्ड सदस्यों ने ग्रीर के साथ बाजार तक बेहतर पहुंच, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की मजबूती और गैर-शुल्कीय बाधाओं (नॉन-टैरिफ बैरियर्स) को कम करने जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। संगठन ने हाल के महीनों में हुई प्रगति के लिए राजदूत जैमीसन ग्रीर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और दोनों देशों की वार्ता टीमों की सराहना की। यूएसआईएसपीएफ ने कहा कि दोनों देशों के कारोबारी समुदाय को उम्मीद है कि प्रस्तावित व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा निर्धारित 'मिशन 500' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा, जिसके तहत द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। संगठन ने कहा कि उसके बोर्ड सदस्य ऐसी संतुलित और व्यावसायिक रूप से सार्थक व्यापार संधि के लिए जारी वार्ताओं का समर्थन करते रहेंगे, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों को ठोस लाभ मिल सके। यूएसआईएसपीएफ ने वर्तमान चरण को 'भारत-अमेरिका रणनीतिक और व्यावसायिक साझेदारी का एक ऐतिहासिक क्षण' बताया।

अमेरिका में दीपावली पर जारी होगा डाक टिकट

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी डाक सेवा (यूएस पोस्टल सर्विस) ने इस साल हिन्दू त्योहार दीपावली पर डाक टिकट जारी करने की घोषणा की है। इसमें ह्यूस्टन में रहने वालीं संगीता भूटाडा की बनाई रंगोली की आकृति है। यूएस पोस्टल सर्विस की वेबसाइट पर यह घोषणा 29 जून को की गई। विवरण के अनुसार, दीपावली हिन्दू कैलेंडर के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। शरद ऋतु में मनाया जाने वाला यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह पर्व आमतौर पर पांच दिन तक मनाया जाता है। इस साल दीपावली 8 नवंबर को मनाई जाएगी। संगीता भूटाडा की रंगोली की फोटो विजय दीक्षित ने ली थी। वेबसाइट के अनुसार, संगीता भारत की रहने वाली हैं और लंबे समय से ह्यूस्टन इलाके में रह रही हैं। वे लगभग 30 वर्ष से इस प्राचीन लोककला का अभ्यास कर रही हैं। इस डाक टिकट को जेनिफर अर्नोल्ड ने डिजाइन किया है। इसे अक्टूबर में जारी किया जाएगा। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी यूएस पोस्टल सर्विस ने अमेरिकी तटरक्षक बल, क्रिसमस कुकीज, यहूदियों के त्योहार हनुक्का और अफ्रीकी-अमेरिकी संस्कृति के उत्सव क्वांजा पर आधारित डाक टिकट जारी करने की भी घोषणा की है। कहा गया है कि अमेरिकी तटरक्षक बल अकादमी की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर भी एक डाक टिकट जारी किया जाएगा।

पाकिस्तान में दर्दनाक हादसा : लाहौर में ट्यूशन सेंटर की छत गिरने से 14 बच्चों की मौत, मलबे से सुरक्षित निकाले गए 20 बच्चे

एजेंसी

लाहौर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से एक बेहद दर्दनाक और विचलित करने वाली खबर सामने आई है. यहाँ एक ट्यूशन सेंटर की इमारत की छत अचानक भरभराकर गिर गई।

इस भीषण हादसे में 14 मासूम बच्चों की मलबे में दबने से मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं. घटना के बाद से ही पूरे इलाके में कोहराम और चीख-पुकार मची हुई है. चश्मदीदों के मुताबिक, रोज़ाना की तरह बच्चे ट्यूशन सेंटर में पढ़ाई करने पहुंचे थे कि तभी यह जोरदार हादसा हो गया।

रेस्क्यू ऑपरेशनः घटना की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल (Rescue 1122) की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और मलबे को हटाने का काम युद्धस्तर पर शुरू किया गया.

कमिश्नर का बयानः लाहौर की कमिश्नर मरियम खान ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे के समय इस इमारत के भीतर करीब 35 बच्चे मौजूद थे.

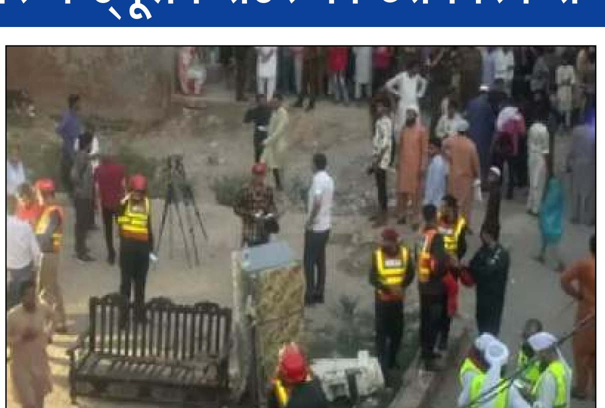

20 बच्चे सुरक्षित निकाले गएः बचाव कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए मलबे के नीचे से 20 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है. वर्तमान में 5 घायल बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है. घायलों में बच्चों को पढ़ा रहे एक शिक्षक भी शामिल हैं। मासूम बच्चों की मौत के इस संवेदनशील मामले को लेकर पंजाब सरकार पूरी तरह सख्त नजर आ रही हैः

सीएम मरियम नवाज ने दिए निर्देशः पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और पुलिस प्रशासन से इस पूरे मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है.

मकान मालिक गिरफ्तारः पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्यूशन सेंटर की इमारत के मकान मालिक सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है.

डीआईजी ऑपरेशंस फैसल कमरान के अनुसार, फॉरेंसिक और तकनीकी टीमों की मदद से घटनास्थल से जुड़े सभी जरूरी सबूत इकट्ठे किए जा रहे हैं ताकि छत गिरने के वास्तविक कारणों (जैसे इमारत का जर्जर होना या घटिया निर्माण) का पता लगाया जा सके और मुख्य जिम्मेदारों की पहचान हो सके.

उन्होंने साफ लहजे में कहा कि इस मामले में पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा और जिन लोगों की लापरवाही के कारण इन मासूमों की जान गई है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

page 1 and 8 July 2_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/2/2026 12:52 AM Page 2

डिविजनल कमिश्नर कश्मीर ने श्री अमरनाथजी यात्रा-2026 की तैयारियों का लिया जायजा

श्रीनगर, 1 जुलाई। डिविजनल कमिश्नर कश्मीर अंशुल गर्ग ने बुधवार को श्री अमरनाथजी यात्रा (संजय-2026) की तैयारियों का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने नौगाम रेलवे स्टेशन स्थित यात्रा सुविधा केंद्र तथा पंथा चौक स्थित यात्रा ट्रांजिट कैंप और यात्री निवास का दौरा कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ उपायुक्त बडगाम अथर आमिर और उपायुक्त श्रीनगर अक्षय लाबरू भी मौजूद रहे।

डिविजनल कमिश्नर ने आवास व्यवस्था, पुरुषों एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग स्वच्छता सुविधाओं, पेयजल आपूर्ति तथा आरएफआईडी और ई-केवाईसी काउंटरों के संचालन का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएं, ताकि वे विभिन्न सेवा एवं सुविधा केंद्रों तक आसानी से पहुंच सकें।

मीडिया से बातचीत में अंशुल गर्ग ने कहा कि बडगाम और श्रीनगर जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं के स्वागत तथा उनके सुरक्षित और आरामदायक प्रवास के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

जेकेएनसी प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री जाविद अहमद डार से की मुलाकात, ग्रामीण विकास और रोजगार के मुद्दे उठाए

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के संयुक्त सचिव अंकुश अबरोल के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सिविल सचिवालय जम्मू में कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री जाविद अहमद डार से मुलाकात कर जम्मू संभाग के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े जनहित और विकास संबंधी मुद्दे उठाए।

प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय क्षेत्र के सचिव एवं समन्वयक डॉ. विकास शर्मा, केंद्रीय क्षेत्र के उपाध्यक्ष राहुल महाजन सहित अन्य पार्टी प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने मंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं और विकास संबंधी मांगों से अवगत कराया।

बैठक के दौरान कृषि विश्वविद्यालय में चल रही भर्ती प्रक्रिया का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि भर्ती में योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर स्थानीय पात्र अभ्यर्थियों को उचित प्राथमिकता दी जाए ताकि क्षेत्र के युवाओं के रोजगार के अवसर सुरक्षित रह सकें। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू के बिश्नाह, अखनूर, आर.एस. पुरा, सांबा तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सड़क संपर्क, सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की तत्काल आवश्यकता है।

प्रतिनिधिमंडल ने संतुलित ग्रामीण विकास पर जोर देते हुए आवश्यक आधारभूत ढांचे में निरंतर निवेश, रोजगार एवं आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।

मंत्री जाविद अहमद डार ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक एवं जनहित से जुड़े मामलों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और जम्मू-कश्मीर के समग्र एवं समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

स्थानीय समाचार

लगातार बारिश के कारण अनंतनाग जिले के लरनू के गुरिदरामन इलाके में अचानक आई बाढ़

अनंतनाग, 01 जुलाई (हि.स.)। बुधवार को लगातार बारिश के कारण अनंतनाग जिले के लरनू के गुरिदरामन इलाके में अचानक बाढ़ आ गई। इलाके से मिली एक आपातकालीन सूचना के अनुसार आज दोपहर गुरिदरामन गांव में अचानक बाढ़ आने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। बाढ़ के समय कई छात्र स्कूल के अंदर थे जिन्हें बाद में स्थानीय लोगों ने बचा लिया। नुकसान का आकलन अभी तक नहीं हो पाया है। पुलिस, एसडीआरएफ और स्थान य प्रशासन की टीमें बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर पहुंच रही हैं। अनंतनाग के उपायुक्त बिलाल मोहिउद्दीन ने बताया कि हम घटना की जांच कर रहे हैं और प्रभावित क्षेत्र में एक टीम भेजी है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है

छत्र अरोरियां शिवधाम में 24वें विशाल भंडारा एवं लंगर का शुभारंभ, अमरनाथ यात्रियों की सेवा का संकल्प

कठुआ, 01 जुलाई (हि.स.)। बाबा बर्फानी सेवा मंडल मोगा की ओर से शिवधाम छत्र अरोरियां में अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा हेतु 24वें विशाल भंडारा एवं लंगर का विधिवत शुभारंभ हवन-पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ से सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय होने की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला और सेवा भावना के साथ लंगर व्यवस्था प्रारंभ की गई। हवन-पूजन में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग शामिल हुए जिनमें प्रमुख रूप से पूर्व एमएलसी सुभाष गुप्ता, सुरेश रावल, बॉबी बंसल, सुशील गुप्ता, संजय नोहरिया, गोल्डी शर्मा, जगदीश चंद्र शर्मा, बालकृष्ण, अमन, राजू सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। सेवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रियों के लिए भोजन, विश्राम एवं अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पूरे वातावरण में हर-हर महादेव के जयकारों से शिवधाम गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ इस पुण्य कार्य में सहभागिता निभाई।

अमरनाथ यात्रियों के लिए रेलवे स्टेशन से भगवती नगर तक नि:शुल्क मेटाडोर सेवा

जम्मू,, 01 जुलाई (हि.स.)। आगामी अमरनाथ यात्रा के मद्देनज़र जम्मू प्रोविंस मिनी बस वर्कर्स यूनियन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन से भगवती नगर यात्री निवास तक नि:शुल्क मेटाडोर सेवा शुरू की है। यूनियन की ओर से यह सेवा यात्रियों को रेलवे स्टेशन से यात्रा आधार शिविर भगवती नगर तक बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई जाएगी। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अमरनाथ यात्रियों को सुगम और बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देना है। इस सेवा का उदघाटन ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विशेषपाल महाजन ने किया।

यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त, चालक समेत पच्चीस लोग घायल

बडगाम, 01 जुलाई (हि.स.)। बुधवार को बडगाम जिले के नसुल्लापोरा इलाके के कौनार में एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें चालक समेत कम से कम पच्चीस लोग घायल हो गए।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह बस बीरवाह से बडगाम जा रही थी। दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है।

आपातकालीन बचाव दल के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही नसुल्लापोरा के स्थानीय निवासी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहन से घायल यात्रियों को निकालने में मदद की।

घायलों को बडगाम के उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया 'डिजी रोवर' विशेष अभियान का शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर में प्रदेशव्यापी 'डिजी रोवर (डिजी रोवर-जीएनएसएस) विशेष भूमि पैमाइश अभियान' का शुभारंभ किया। यह अभियान 1 जुलाई से शुरू होकर 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान सभी तहसीलों में सीमांकन एवं पैमाइश से जुड़े लंबित मामलों का निस्तारण अत्याधुनिक डिजी रोवर (जीएनएसएस) तकनीक के माध्यम से किया जाएगा। बता दें कि योगी सरकार प्रदेश में भूमि संबंधी विवादों के त्वरित समाधान और राजस्व सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सटीक एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को भूमि से संबंधित सभी सेवाएं सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और तकनीक आधारित व्यवस्था के माध्यम से उपलब्ध कराना उत्तर प्रदेश सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भूमि की पैमाइश पारंपरिक जरीब जैसी विधियों से होती रही, लेकिन बदलते समय और बढ़ते भूमि विवादों को देखते हुए अब आधुनिक तकनीक को अपनाना आवश्यक

हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजी रोवर (जीएनएसएस) तकनीक के माध्यम से भूमि की पैमाइश पहले की तुलना में अधिक सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय होगी। इससे सीमांकन संबंधी त्रुटियों में कमी आएगी, भूमि विवादों और अनावश्यक मुकदमेबाजी पर प्रभावी नियंत्रण होगा तथा नागरिकों को समयबद्ध राजस्व सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग सुशासन की दिशा में बड़ा कदम है और इससे राजस्व प्रशासन अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनेगा। राज्य सरकार किसानों एवं आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

आधुनिक तकनीक से होगी भूमि की सटीक पैमाइश

भूमि संबंधी विवाद ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से बड़ी चुनौती रहे हैं। डिजी रोवर अभियान के माध्यम से इन विवादों के समाधान की प्रक्रिया में तेजी आएगी और लोगों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य केवल लंबित मामलों का निस्तारण करना ही नहीं, बल्कि भविष्य में भी तकनीक आधारित व्यवस्था विकसित कर भूमि संबंधी विवादों को न्यूनतम स्तर तक लाना है। मुख्यमंत्री ने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और मिशन मोड में संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अभियान का लाभ निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से मिलना चाहिए। साथ ही अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पैमाइश की प्रक्रिया पूरी तरह तकनीकी मानकों के अनुरूप हो और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। बता दें कि प्रदेश में वर्तमान समय में धारा-24 के तहत भूमि पैमाइश एवं सीमांकन से संबंधित करीब 79,157 प्रकरण लंबित हैं। योगी सरकार का अभियान के माध्यम से इन मामलों का मिशन मोड में गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने का लक्ष्य है, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को वर्षों से लंबित समस्याओं से राहत मिल सके। सीएम योगी के निर्देश पर राजस्व परिषद द्वारा सभी जनपदों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। अभियान का समग्र पर्यवेक्षण एवं उच्च स्तरीय अनुश्रवण राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल द्वारा किया जाएगा, जबकि अभियान की नियमित समीक्षा, प्रगति की मॉनिटरिंग तथा आवश्यक दिशा-निर्देश आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद द्वारा दिए जाएंगे। राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि अभियान के सफल संचालन में मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (राजस्व), उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक तथा लेखपाल समन्वित रूप से कार्य करेंगे।

सकीना इत्तू ने कश्मीर की पांच विधानसभा क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा की

श्रीनगर, 01 जुलाई। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण तथा स्कूल शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आज एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खानसाहिब, हज़रतबल, पंपोर, सोपोर और ज़ैनपोरा विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा जनसेवा वितरण की स्थिति का आकलन किया।

बैठक में विधायक हसनैन मसूदी, सलमान अली सागर, शौकत हुसैन गनई, सैफ-उद-दीन भट और इरशाद रसूल कर सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख मुद्दों और विकास संबंधी प्राथमिकताओं को बैठक में उठाया।

बैठक के दौरान मंत्री ने स्वास्थ्य अवसंरचना, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण तथा विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने तथा स्वीकृत परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। उन्होंने चिन्हित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को 24म7 सेवाओं के साथ संचालित करने, लंबित आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने, एम्बुलेंस सेवाओं में सुधार, मेडिकल ब्लॉकों की मैपिंग तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ट्रॉमा सेंटर में सीटी स्कैन जैसी उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जर्जर और असुरक्षित स्वास्थ्य भवनों के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देने के भी निर्देश दिए।

मंत्री ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में अनधिकृत बदलाव के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने, अनुमानित लागत से कम दरों पर निविदा देने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने तथा ठेकेदारों द्वारा गुणवत्ता और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए सकीना इत्तू ने विद्यालयों के उन्नयन में तेजी लाने, आधारभूत सुविधाओं की कमी दूर करने तथा सभी शिक्षण संस्थानों में संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने केंद्र एवं केंद्र शासित प्रदेश प्रायोजित योजनाओं की पहुंच बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को व्यापक जागरूकता शिविर आयोजित कर पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा आंगनवाड़ी एवं आईसीडीएस सेवाओं का विस्तार अब तक वंचित क्षेत्रों तक करने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने चरार-ए-शरीफ में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

श्रीनगर, 01 जुलाई जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज जिला बडगाम, निसुविधाओं और आधारभूत ढांचे में स्पष्ट सुधार दिखाई देना चाहिए।

चरार-ए-शरीफ विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए अध्यक्ष ने उन्हें जनहित में इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभाग को सभी निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

अब्दुल रहीम राथर ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी विकास परियोजनाओं का उद्देश्य जनता को बेहतर आधारभूत सुविधाएं और प्रभावी नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराना होना चाहिए।

बैठक में मुख्य अभियंता (आर एंड बी) मध्य कश्मीर, अधीक्षण अभियंता (आर एंड बी) सर्किल बडगाम, निदेशक वित्त (पीडब्ल्यूडी), संयुक्त निदेशक योजना (पीडब्ल्यूडी), मुख्य योजना अधिकारी बडगाम, चाडूरा, चरार-ए-शरीफ और बडगाम डिवीजनों के कार्यकारी अभियंता सहित लोक निर्माण विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रा से पहले भगवती नगर पहुंचे कांग्रेस नेता रमण भल्ला, श्रद्धालुओं का किया स्वागत

जम्मू, 01 जुलाई (हि.स.)। वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा के शुभारंभ से एक दिन पहले जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रमण भल्ला ने बुधवार को भगवती नगर स्थित यात्री निवास का दौरा किया। यहां उन्होंने अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका स्वागत किया और उन्हें पवित्र गुफा के लिए सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं आध्यात्मिक रूप से सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। रमण भल्ला ने श्रद्धालुओं से बातचीत के दौरान यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी सुना। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा देश की सबसे पवित्र धार्मिक यात्राओं में से एक है जिसमें हर वर्ष देशभर से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह यात्रा केवल आस्था का प्रतीक ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और भारत की सांस्कृतिक विविधता का भी संदेश देती है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग हमेशा अमरनाथ यात्रियों का गर्मजोशी, आतिथ्य और सेवा भाव के साथ स्वागत करते आए हैं। श्रद्धालुओं की सेवा को यहां के लोग अपना सौभाग्य और कर्तव्य मानते हैं। भल्ला ने स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न लंगर समितियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग से हर वर्ष यात्रा का सफल संचालन संभव हो पाता है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि यात्रा के दौरान सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, आवास, भोजन, पेयजल, स्वच्छता और परिवहन जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना

पड़े। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशासन, सुरक्षा बलों, विभिन्न विभागों और स्वयंसेवकों के समन्वित प्रयासों से इस वर्ष की यात्रा भी शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न होगी। रमण भल्ला ने श्रद्धालुओं से जम्मू के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों, जैसे रघुनाथ मंदिर, बाहु किला, बाग-ए-बाहु, महामाया मंदिर, पीर खोह गुफा मंदिर, रणबीरेश्वर मंदिर और मुबारक मंडी का भी भ्रमण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये स्थल जम्मू की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को दर्शाते हैं तथा पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा जम्मू-कश्मीर में पर्यटन, परिवहन, होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प, व्यापार और अन्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़े हजारों लोगों की आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसलिए यात्रा का शांतिपूर्ण और सफल आयोजन धार्मिक महत्व के साथ-साथ क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि के लिए भी आवश्यक है।

25वीं जिला सड़क सुरक्षा समिति बैठक, सख्त प्रवर्तन व समयबद्ध कार्यान्वयन पर जोर

कठुआ, 01 जुलाई (हि.स.)। जिला उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को डीसी कार्यालय परिसर में जिला सड़क सुरक्षा समिति की 25वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा करते हुए पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति का आकलन किया गया।

बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए सड़क अवसंरचना में सुधार, प्रभावी प्रवर्तन तंत्र तथा जन-जागरूकता अभियानों को और सशक्त करने पर विस्तृत चर्चा हुई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि दुर्घटनाओं में कमी लाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। बैठक में विभिन्न सड़क सुरक्षा मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया जिसमें जीएमसी कठुआ के संबद्ध अस्पताल के पास ऑटो स्टैंड स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करना तथा मुखर्जी चौक पर यातायात जाम की समस्या को दूर करने के उपाय शामिल रहे। दुर्घटना संभावित स्थलों की स्थिति और चल रहे सुरक्षा कार्यों की समीक्षा

करते हुए उपायुक्त ने सभी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थानों की नियमित निगरानी, सड़क सुरक्षा कार्यों को तेजी से पूरा करने तथा बेहतर परिणामों के लिए डेटा आधारित योजना अपनाने पर बल दिया। उपायुक्त ने सुरक्षित सड़क वातावरण बनाने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आम जनता की सक्रिय भागीदारी को भी आवश्यक बताया।